जीवन दर्शन

विजयी व्यक्ति स्वभाव से, बहिर्मुखी होता है। पराजय व्यक्ति को अन्तर्मुखी बनाती है - प्रेमचंद

दैनिक
ग्लोबल हेराल्ड
LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

गुरुवार 17 अप्रैल, 2025 ■ वर्ष 14 ■ अंक 65 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

सुदिरमन कप में सिंधू-सेन करेंगे चुनौती की अगुआई,...

पृष्ठ 8 पर

वक्फ कानून पर तत्काल रोक से सुप्रीम कोर्ट का इनकार:केंद्र से पूछा- क्या हिंदू धार्मिक ट्रस्टों में मुस्लिमों को जगह देंगे

नई दिल्ली ■

केंद्र सरकार के वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को दो घंटे सुनवाई हुई। इस कानून के खिलाफ 100 से ज्यादा याचिकाएं लगाई गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन पर केंद्र से जवाब मांगा है, लेकिन कोर्ट ने कानून के लागू होने पर तत्काल रोक नहीं लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ कानून के विरोध में देशभर में हो रही हिंसा पर चिंता जताई। इस पर SG ने कहा कि ऐसा नहीं लगना चाहिए कि हिंसा का इस्तेमाल दबाव डालने के लिए किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि हम इस पर फैसला करेंगे।

सुनवाई के दौरान कपिल

सिब्बल ने कहा कि वक्फ कानून के तहत बोर्ड में अब हिंदुओं को भी शामिल किया जाएगा। यह अधिकारों का हनन है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि क्या वह मुसलमानों को हिंदू धार्मिक ट्रस्टों का हिस्सा बनने की अनुमति देने को तैयार है। हिंदुओं के दान कानून के मुताबिक, कोई भी बाहरी बोर्ड का हिस्सा नहीं हो सकता है। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और जस्टिस पीवी संजय कुमार, जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच मामले पर सुनवाई कर रही है। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पैरवी कर रहे हैं। वहीं कानून के खिलाफ कपिल सिब्बल, राजीव धवन, अभिषेक मनु सिंघवी, सीयू सिंह दलीलें रख रहे हैं।' सुप्रीम कोर्ट अब गुरुवार 2 बजे सुनवाई करेगा। सुनवाई में अपीलकताओं ने वक्फ बोर्ड बनाने, पुरानी वक्फ संपत्तियों के रजिस्ट्रेशन, बोर्ड मेंबर्स में गैर-मुस्लिम और विवादों के निपटारों को लेकर मुख्य दलीलें दीं।

पुरानी वक्फ संपत्तियों के रजिस्ट्रेशन पर

सिब्बल ने कहा, यह इतना आसान नहीं है। वक्फ सैकड़ों साल पहले बनाया गया है। अब ये 300 साल पुरानी संपत्ति की वक्फ डीड मांगेंगे। यहां समस्या है। केंद्र की ओर से SG तुषार मेहता ने कहा कि वक्फ का रजिस्ट्रेशन हमेशा अनिवार्य रहेगा। 1995 के कानून में भी ये जरूरी था। सिब्बल साहब कह रहे हैं कि मुतवल्ली को जेल जाना पड़ेगा। अगर वक्फ का रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ तो वह जेल जाएगा। यह 1995 से है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'कई पुरानी मस्जिदें हैं। 14वीं और 16वीं शताब्दी की मस्जिदें है, जिनके पास रजिस्ट्रेशन सेल डीड नहीं होगी। मुख्य न्यायाधीश ने केंद्र से पूछा कि ऐसी संपत्तियों को कैसे रजिस्टर करेंगे। उनके पास क्या दस्तावेज होंगे? वक्फ बाई यूजर मान्य किया गया है, अगर आप इसे खत्म करते हैं तो समस्या होगी।

बोर्ड बनाने की प्रक्रिया

अपीलकर्ता कपिल सिब्बल ने कहा,' हम उस प्रावधान को चुनौती देते हैं, जिसमें कहा गया है कि केवल मुसलमान ही वक्फ बना सकते हैं। सरकार कैसे कह सकती है कि केवल वे लोग ही वक्फ बना सकते हैं जो पिछले 5 सालों से इस्लाम को मान रहे हैं? इतना ही नहीं, राज्य कैसे तय कर सकता है कि मैं मुसलमान हूं या नहीं और इसलिए वक्फ बनाने के योग्य हूं?'

ईडी ने गुरुग्राम जमीन मामले में रॉबर्ट से कई घंटे की पूछताछ

नई दिल्ली ■

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हरियाणा के गुरुग्राम स्थित डीएलएफ लैंड डील घोटाले के मामले में लगातार दूसरे दिन बुधवार को कई घंटे पूछताछ की। रॉबर्ट वाड्रा ने पूछताछ के बाद कहा कि उन्हें सच पर भरोसा है और वे किसी भी तरह के दबाव का सामना करने के लिए तैयार हैं। राबर्ट वाड्रा के साथ आज उनकी पत्नी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा भी मौजूद रहीं। ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा को गुरुवार सुबह 11 बजे नई दिल्ली में स्थित एजेंसी के हेड क्वार्टर में पूछताछ के लिए बुलाया है।

इससे एक दिन पहले मंगलवार

को ईडी के अधिकारियों ने इस मामले में रॉबर्ट वाड्रा से करीब छह घंटे मैराथन पूछताछ की थी। इसके बाद आज फिर उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया। केंद्रीय जांच एजेंसी की ओर से यह साफ कर दिया गया है कि रॉबर्ट वाड्रा से कल भी पूछताछ होगी। ईडी दफ्तर से दफ्तर से बाहर निकलते समय रॉबर्ट वाड्रा कहा, हां, उन्होंने मुझे कल भी पूछताछ के लिए बुलाया है। वे मुझे बुलाते रहेंगे। रॉबर्ट वाड्रा आज मध्य दिल्ली के सुजान सिंह पार्क स्थित अपने घर से 2 किलोमीटर पैदल चलकर एपीजे अब्दुल कलाम रोड स्थित ईडी के मुख्यालय पहुंचे। वाड्रा ने रास्ते में पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि यह मामला करीब 20 साल पुराना है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि उन्हें राजनीतिक प्रतिशोध के तहत निशाना बनाया जा रहा है। वाड्रा ने कहा कि मैं जांच एजेंसियों के कार्यालयों में 15 बार गया हूं। मुझसे एक बार में 10 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की गई, मैंने 23,000 दस्तावेज जमा किए हैं।

बिस्किट दिखाकर पकड़ा, फिर चारपाई से बांधकर पीटा, प्लास से तोड़े दांत

भिंड ■

दबोह थाना प्रभारी राजेश शर्मा ने बताया कि भिंड के रावतपुरा खुर्द गांव में कुछ लोगों ने एक स्ट्रीट डॉग को बिस्किट का लालच देकर पकड़ लिया। आरोपियों ने उसे चारपाई से बांधकर बुरी तरह पीटा। प्लास से उसके दांत भी तोड़ दिए।म

ाध्य प्रदेश के भिंड जिले के रावतपुरा खुर्द गांव में एक स्ट्रीट डॉग के साथ बेरहमी से मारपीट करने का मामला सामने आया है। कुत्ते को चारपाई से बांधकर बुरी तरह लाठी से पीटा गया और फिर प्लास से उसके दांत भी तोड़ दिए गए। घटना की सूचना पर पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। बुधवार को कुत्ते से

मारपीट का एक वीडियो भी सामने आया है, उसके आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है। दबोह थाना प्रभारी राजेश शर्मा के अनुसार, भिंड जिले के मुरावली के पास स्थित रावतपुरा खुर्द गांव में कुछ लोगों ने एक स्ट्रीट डॉग को बिस्किट का लालच देकर पकड़ लिया और फिर रस्सी से बांध दिया। इसके बाद आरोपियों ने उसे चारपाई से बांधकर लाठी और सरियों से बुरी तरह पीटा। प्लास से उसके दांत तक तोड़ दिए गए।

ममता बनर्जी बोलीं- योगी सबसे बड़े भोगी:इमामों की बैठक में कहा-

मुर्शिदाबाद दंगा में भाजपा-बीएसएफ की मिली भगत, हिंसा की जांच को एसआईटी गठित

कोलकाता ■

इमामों की सभा में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा- यूपी के सीएम योगी बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं। वह सबसे बड़े भोगी हैं। महाकुंभ में कई लोगों की जान चली गई। उत्तर प्रदेश में मुठभेड़ों में कई लोग मारे गए। योगी लोगों को रैलियां नहीं निकालने देते।

वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन के दौरान हुई मुर्शिदाबाद हिंसा के बाद ममता ने कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में कहा- मुर्शिदाबाद में हुआ दंगा प्री प्लांड था। इसमें भाजपा, बीएसएफ और सेंट्रल एजेंसीज की मिलीभगत थी। बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश में बुलाकर ये दंगे करवाए गए। दरअसल, यूपी के सीएम योगी ने मंगलवार को बंगाल हिंसा पर कहा था- बंगाल जल रहा है और मुख्यमंत्री चुप हैं। वह दंगाइयों को शांति दूत कह रही हैं। लातों के भूत बातों से कहां मानने वाले हैं। दंगाइयों के लिए डंडा ही एकमात्र इलाज है। ममता ने धर्मनिरपेक्षता के नाम पर दंगाइयों को आजादी दे दी है। उधर पश्चिम बंगाल पुलिस ने मुर्शिदाबाद हिंसा की जांच के लिए स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) का गठित कर दी है। टीम में नौ अधिकारी होंगे। मुर्शिदाबाद रेंज के डीआईजी को टीम की कमान सौंपी गई है।

केंद्र सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए

ममता ने कहा कि मुझे मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा में बांग्लादेश के शामिल होने की खबर मिली है। क्या बॉर्डर की सुरक्षा बीएसएफ की भूमिका नहीं है? राज्य सरकार अंतरराष्ट्रीय सीमा की रक्षा नहीं करती है। केंद्र सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से वक्फ कानून को रोकने और अमित शाह के नेतृत्व वाले गृह मंत्रालय को नियंत्रण में रखने की मांग की। ममता ने कहा- मैं प्रधानमंत्री से अमित शाह पर नियंत्रण रखने का अनुरोध करूंगी, वह अपने राजनीतिक एजेंडे को पूरा करने के लिए देश को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

हिंसा में मारे गए लोगों को 10-10 लाख रुपए मुआवजे की घोषणा

ममता ने कहा- विपक्ष का आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस वक्फ हिंसा में शामिल है। अगर हमारे नेता हिंसा में शामिल होते तो उनके घरों पर हमला नहीं होता। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा कुछ मीडिया संस्थानों को पैसे देकर बंगाल को बदनाम करने के लिए अन्य राज्यों में हुई हिंसा के वीडियो प्रसारित करवा रही है। ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद हिंसा में मारे गए लोगों को 10-10 लाख रुपए मुआवजे की घोषणा की। साथ ही राज्य के मुख्य सचिव को बीएसएफ की भूमिका की जांच शुरू करने का निर्देश दिया।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी एक मजाक सिखाती है नफरत'-ट्रंप

नई दिल्ली ■

हार्वर्ड पर एक बार फिर से निशाना साधते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार (16 अप्रैल, 2025) को दावा किया कि ये विश्वविद्यालय एक मजाक है और यहा पढ़ाने वाले टीचर मूर्ख. ट्रंप ने ये टिप्पणी तब की है जब उनके प्रशासन ने हार्वर्ड को दिए जाने वाले फंड लगभग 2.3 बिलियन अमरीकी डॉलर को रोक दिया है.

ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने न्यूयॉर्क और शिकागो के डेमोक्रेटिक मेयर बिल डी ब्लासियो और लोरी एलेन लाइटफुट की भी आलोचना की. उन्होंने कहा, हर कोई जानता है कि हार्वर्ड ने अपना रास्ता खो दिया है. उन्होंने न्यूयॉर्क और शिकागो (लोरी एल) से हास्यास्पद रूप से हाई सैलरी/फीस पर हमारे देश के इतिहास

में दो सबसे खराब और सबसे अक्षम मेयरों को नियुक्त किया, ताकि वे नगरपालिका प्रबंधन और सरकार को सिखा सकें. इन दो कट्टरपंथी वामपंथी मूर्खों ने दो शहरों को पीछे छोड़ दिया है, जिन्हें अपनी अक्षमता और बुराई से उबरने में कई साल लगेंगे. ट्रंप ने यह भी कहा कि हार्वर्ड को अब दुनिया की टॉप यूनिवर्सिटी की किसी भी लिस्ट में शामिल नहीं होना चाहिए. अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, हार्वर्ड लगभग पूरी तरह से वोक, कट्टरपंथी, वामपंथी, मूर्ख और पक्षपाती लोगों को काम पर रख रहा है जो छात्रों और तथाकथित भविष्य के नेताओं को केवल विफलता सिखाने में सक्षम हैं.

भारत के 52वें चीफ जस्टिस बनेंगे जस्टिस बीआर गवई

नई दिल्ली ■

भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने अपने उत्तराधिकारी के रूप में जस्टिस बीआर गवई के नाम की आधिकारिक सिफारिश की है। उनके नाम को मंजूरी के लिए केंद्रीय कानून मंत्रालय को भेज दिया गया है। इसके साथ ही जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई का भारत का 52वां मुख्य न्यायाधीश बनना तय हो गया है।

परंपरा है कि मौजूदा सीजेआई अपने उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश तभी करते हैं, जब उन्हें कानून मंत्रालय से ऐसा करने का आग्रह किया जाता है। मौजूदा सीजेआई संजीव खन्ना का

कार्यकाल 13 मई को खत्म हो रहा है। सीजेआई खन्ना के बाद वरिष्ठता सूची में जस्टिस गवई का नाम है। इसलिए जस्टिस खन्ना ने उनका नाम आगे बढ़ाया है। हालांकि उनका कार्यकाल सिर्फ 7 महीने का होगा। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर दिए प्रोफाइल के मुताबिक जस्टिस गवई 24 मई 2019 को सुप्रीम कोर्ट जज के रूप में प्रमोट हुए थे। उनके रिटायरमेंट की तारीख 23 नवंबर 2025 है।

देश में बाड़मेर सबसे गर्म, श्रीनगर में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने बुधवार को देश के 25 राज्यों में आंधी-बारिश का अनुमान लगाया है। बिहार, असम और ओडिशा में तेज बारिश की आशंका है। झारखंड, ओडिशा और मेघालय में ओले भी गिर सकते हैं। मौसम विभाग ने बताया कि 15 अप्रैल श्रीनगर का बीते 80 सालों में सबसे ज्यादा गर्म दिन था। शहर का तापमान सामान्य से 10.2 डिग्री ज्यादा 30.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। श्रीनगर में इस वक्त औसत तापमान 20.2 डिग्री सेल्सियस रहता है। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी में इससे पहले 20 अप्रैल, 1946 को सबसे ज्यादा तापमान 31.1 डिग्री दर्ज किया गया था।

मुजफ्फरपुर में दर्दनाक हादसा, दलित बस्ती में लगी भीषण आग, 4 बच्चे जले

बिहार ■

बिहार के मुजफ्फरपुर में एक दर्दनाक हादसा हुआ है. एक दलित बस्ती में अचानक आग लगने से करीब दो दर्जन घर जल कर राख हो गए. आग की चपेट में आ कर कई बच्चे जिंदा जल गए. यह घटना दिल दहलादेने वाली है. अभी तक चार बच्चों के जिंदा जलने की जानकारी सामने आई है. जबकि अन्य कई बच्चे अभी भी लापता हैं.

लापता बच्चों की तलाश की जा रही है. ये घटना मुजफ्फरपुर जिले के रामपुर मनी गांव की है. सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की कई

गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं और मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने की कोशिश में जुट गईं. मुजफ्फरपुर में आग लगने की दूसरी घटना भगवानपुर यादव नगर चौराहे की है. एक मिठाई की दुकान में गैस सिलेंडर फटने से भीषण आग लग गई. जिसके बाद एक के बाद एक कई धमाके हुए. दरअसल दुकान में कई सिलेंडर रखे हुए थे.

तमिलनाडु के मंदिर उत्सव में अंगारों में गिरा शख्स, मौत

चेन्नई ■

तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले में एक उत्सव के दौरान अंगारों के गड्ढे में गिरने से 56 साल के एक भक्त केशवन की मौत हो गई। यह घटना कुयावनकुडी में अग्नि-चलन अनुष्ठान के दौरान हुई। इस हादसे का एक वीडियो वायरल हो गया है। स्थानीय रूप से थीमिथि थिरुविझा के नाम से जाना जाने वाला यह अनुष्ठान वार्षिक सुब्बैया मंदिर उत्सव का हिस्सा है। जो इस बार 10 अप्रैल को शुरू हुआ था। भक्त अपनी मन्नतें पूरी करने और आशीर्वाद लेने के लिए जलते अंगारों से भरे गड्ढे में नंगे पैर चलते हैं।

मन्नत पूरी करने उतरा था केशवन

10 अप्रैल से शुरू हुए थीमिथि थिरुविझा अनुष्ठान के लिए वालंथरावाई गांव के रहने वाले केशवन भी आए थे। मन्नत पूरी करने के दौरान केशवन संतुलन खो बैठे और जलते अंगारों पर गिर पड़े। मंदिर में मौजूद बचाव दल ने उन्हें तुरंत बाहर निकाला और रामनाथपुरम जिला सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इससे पहले भी, इसी महीने, तमिलनाडु के अवरंगाडु में अग्नि मरियम्मन मंदिर उत्सव के दौरान एक व्यक्ति अपने छह महीने के बच्चे के साथ जलते अंगारों पर चलते समय गिर पड़ा था, जिसका वीडियो भी वायरल हुआ था।

व्यंग्य : जाति दांव में फेल राहुल क्या इस मुद्दे को छोडेंगे..?

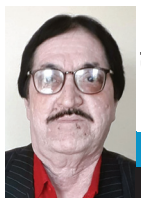

ग्लोबल हेराल्ड
न्यूज एनालिसिस
GHNA
दिलीप शर्मा
(वरिष्ठ पत्रकार)

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी हर मंच से जाति जनगणना का मुद्दा उठाते रहे हैं, और कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार होने के साथ प्रयोग भी किया लेकिन वहां नेताओं में असंतोष देखा जा रहा है. मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की कुरुबा जाति को 22 फीसदी आरक्षण से दूसरी जातियों में घोर असंतोष से राहुल गांधी का जाति दांव उल्टा पड़ रहा है..?

कर्नाटक में जाति दांव फेल : राष्ट्रीय स्तर पर मोदी को हराए बिना कैसे संभव..?

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष आज कल सपने में भी जाति सर्वे की बात करते हैं. दरअसल कोई भी दिन ऐसा नहीं जाता जब वो जाति सर्वे की बात न करते हों. कहीं स्पीच दे रहे हों, लोकसभा में बोल रहे हों , एक्स पर कुछ लिख रहे हों उसमें कहीं न कहीं जाति आ ही जाती है. देश का कोई ऐसा मंच नहीं होगा जहां से राहुल गांधी ने जाति सर्वे कराए जाने की बात नहीं की हो. जिन जगहों पर जाति की बात जरूरी नहीं है वहां भी वो जाति सर्वे का झंडा बुलंद करते हैं. याद करिए दिल्ली विधानसभा चुनावों में भी उन्होंने जाति जनगणना की बात की थी. जबकि दिल्ली के चुनावों जाति कभी मुद्दा नहीं रहा है. अभी कुछ

दिन पहले ही राहुल गांधी का यह दर्द छलका था कि हम सवर्ण . दलित , मुसलमान करते रहे और पिछड़े कांग्रेस से छिटक गए. जाहिर है कि जाति सर्वे के पीछे राहुल की यही मंशा है कि वो ओबीसी जातियों का खुद को हितैषी साबित कर सकें. पर कर्नाटक में शायद उनकी मंशा सफल होती नहीं दिख रही है. अगर यहां स्थितियां और खराब होती हैं

तो कांग्रेस को राहुल गांधी के इस अभियान को ठंढे बस्ते में डालना होगा. दरअसल कर्नाटक में सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की सौंपी गई जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट राज्य इकाई में अंदरूनी खींचतान का कारण बन गई है, इसका मुख्य कारण मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की कुरुबा जाति को 22 फीसदी आरक्षण से भी अन्य जातियों में असंतोष बढ़ा है. सरकार पर पक्षपात के आरोप लग रहे हैं. राज्य में ओबीसी आबादी 69 फीसदी से अधिक मानी गई, जो मौजूदा अनुमान से 38 फीसदी अधिक है. वोकलिंग्गा व लिंगायत जाति के आरक्षण मामले में भी विरोध हो रहा है. ऐसे में जब कांग्रेस शासित राज्य कर्नाटक में ही कांग्रेस जाति दांव में विफल हो रही है तो राष्ट्रीय स्तर पर राहुल गांधी द्वारा बार बार मोदी सरकार को चुनौती देना कैसे सफल होगा. वैसे भी हम कराएंगे तो इसके लिए पहले मोदी सरकार को हराना होगा और सत्ता से बेदखल करना होगा, जो कांग्रेस के लिए असंभव सा लग रहा है एवं अन्य विपक्षी दलों के सहयोग बाद भी तीसरी बार मोदी सरकार बन गई.

दिल्ली ने राजस्थान को सुपर ओवर में हराया

नई दिल्ली ■

दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को IPL के 18वें सीजन के पहले सुपर ओवर में हरा दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में राजस्थान ने पहले बैटिंग करते हुए 11 रन बनाए। दिल्ली से केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स ने संदीप शर्मा के खिलाफ 4 गेंद पर टारगेट हासिल कर लिया।

अरुण जेटली स्टेडियम में बुधवार को राजस्थान ने बॉलिंग चुनी। दिल्ली ने 5 विकेट खोकर 188 रन बनाए। राजस्थान भी 4 विकेट के नुकसान पर 188 रन ही बना सका। मिचेल स्टार्क ने 20वें ओवर में शिमरोन हेटमायर और ध्रुव

जुरेल के खिलाफ 9 रन डिफेंड करते हुए मैच टाई कराया था। राजस्थान से नीतीश राणा और यशस्वी जायसवाल दोनों ने फिफ्टी लगाई। कप्तान संजू सैमसन 31 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। जोफ्रा आर्चर ने 2 विकेट लिए। दिल्ली से अभिषेक पोरेल ने 49 रन बनाए। कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और मिचेल स्टार्क ने 1-1 विकेट लिया।

विधायकों की गुटबाजी के कारण अटकी घोषणाएं

इंदौर में महामंत्री विधानसभा 2 बनना तय

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

भाजपा की नगर टीम भोपाल के कारण अटक गई है, क्योंकि विधायकों की उलझन के कारण मामला पेंचीदा हो गया है। पहले कोशिश की जा रही है कि मंडल की टीम बनाए जाए और इसी चक्कर में नगर का मामला अटक गया है। सुमित मिश्रा को नगर अध्यक्ष बने समय हो गया है। ये माना जा रहा था कि भाजपा की टीम का गठन जल्दी ही हो जाएगा और विधायकों से नाम लेना भी शुरू कर दिया था।

तीन महामंत्री बनाए जाना और उपाध्यक्ष के साथ नगर मंत्री, कोषाध्यक्ष का फैसला किया जाएगा, लेकिन जिस तरीके से चार नंबर में उठा पटक चल रही है, उस तरीके से नगर की टीम आसान नहीं दिख रही है, क्योंकि महापौर और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की जुगलबंदी के चक्कर में चार नंबर की सियासत गड़बड़ हो रही है। कई बार ऐसा मौका दिखा है जब यहां पर विधायक मालिनी गौड़ को अलग रुख भी अख्तियार करना पड़ा है। बताते हैं कि महामंत्री दो नंबर कोटे से बनना है। तीन नंबर से भी उन्हीं के सहयोगी को लेने की तैयारी है। दो नंबर से सुधीर कोहले का नाम दोबारा फिट कर दिया जाएगा और पांच नंबर से सविता अखंड को महिला कोटे में लिया जा सकता है। तीन नंबर से दिनेश वर्मा के नाम पर सहमति हो सकती है। ये तीनों ही मंत्री खेमे के हैं, बस इनकी विधानसभा बदली हुई है। इस दांव को लेकर कई तरह की बातें होनी लगी, जिस पर सियासत गरमा रही है। बाकी विधायकों को उपाध्यक्ष और दूसरे पद दिए जा सकते हैं। सूत्रों की मानें तो नगर टीम के नाम की तैयारी हो चुकी है, लेकिन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने अभी उसे रोक दिया है, क्योंकि अंतिम फैसला वहीं से होना है। प्रदेश अध्यक्ष का निर्णय भी जल्द ही होने वाला है। इस चक्कर में ये कोशिश की जा रही है कि पहले नगर अध्यक्ष का फैसला हो जाए और उसके

आईडीए अध्यक्ष भी राजनीति का शिकार

नगर टीम के साथ आईडीए अध्यक्ष का फैसला भी इसी चक्कर में अटक गया है और गुटबाजी भी हावी होती दिख रही है। युवा को मौका देने के लिए अलग-अलग नाम सामने आ रहे हैं, जिसमें गौरव रणदिवे और टीनू जैन भी ताकत के साथ लगे हैं, दोनों ही विधानसभा के दावेदार थे, लेकिन ऐनक्त पर उनका टिकट गोल कर दिया गया था। आपसी खींचतान के चक्कर में आईडीए अध्यक्ष का मामला अटक गया है।

बाद दूसरी टीम की घोषणा की जाए

हालांकि मंडल की टीम भी तय हो चुकी है। उसका ऐलान भी जल्द ही होना है। सिलसिलेवार टीमों को लेकर बातचीत चल रही है। सूत्रों की बात पर यकीन किया जाए तो इस बार नगर टीम को लेकर महाभारत भाजपा की अयोध्या में हो सकती है। एकलव्य गौड़ नगर उपाध्यक्ष हैं और उनकी वापसी को लेकर अड़ंगे शुरू हो गए हैं। पार्षद जीतू यादव और कमलेश कालरा के बीच का जो झगड़ा है, उसका भी बदला लेने का सही वक्त आ गया है। ऐसे में एक गुट जो विरोध की राजनीति कर रहा है, वो एक जाजम पर आ सकता है। मालिनी गौड़ के साथ विधायक मनोज पटेल और उषा ठाकुर भी हैं। मंत्री तुलसी सिलावट भी इसी खेमे में अटके हुए हैं, क्योंकि जिलाध्यक्ष के मामले में उन्हें भी मुंह की खाना पड़ी थी। अब वो चाहते हैं कि हिसाब-किताब बराबर कर लिया जाए। मुख्यमंत्री मोहन यादव भी मंत्री खेमे को पसंद नहीं कर रहे हैं, इसलिए नगर टीम में भी इसका असर दिखाई दे रहा है।

प्रीतमलाल दुआ सभागृह के सम्पूर्ण रिनोवेशन का कार्य 30 जून तक होगा पूरा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने आज प्रीतमलाल दुआ सभागृह में चल रहे विभिन्न प्रकार के रिनोवेशन कार्यों का अवलोकन किया। इस मौके पर उनके साथ आईडीए के अधीक्षण यंत्री श्री अनिल चुघ, कार्यपालन यंत्री श्री राकेश अखंड सहित अन्य अधिकारी साथ थे। संभागायुक्त श्री सिंह ने प्रीतमलाल दुआ सभागृह के मुख्य ऑडिटोरियम सहित पेन्टिंग प्रदर्शनी कक्ष और हॉल का निरीक्षण किया।

इस मौके पर संभागायुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रीतमलाल दुआ सभागृह में फर्श, लाईटिंग, कुर्सियां लगाना, वातानुकूलीन एवं अन्य निर्माण कार्य 30 जून तक पूरा कर लिया जाये। इसके अलावा पेन्टिंग प्रदर्शनी कक्ष और मुख्य हॉल का रिनोवेशन का कार्य बारिश के पहले ही कर लिया जाये। संभागायुक्त श्री ?सिंह ने आईडीए के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि रिनोवेशन एवं निर्माण कार्यों में ईमानदारी, पारदर्शिता और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाये। कलाकारों एवं आम नागरिकों के लिए बुनियादी सुविधाओं की विशेष ध्यान रखा जाये। कार्ययोजना बनाकर निश्चित समयावधि में कार्य करें तथा कहीं कोई कठिनाई आ रही है तो इसकी जानकारी प्रशासन को अवश्य दें। ताकि कार्य की गति समयावधि में पूरा किया जा सकें। निरीक्षण के दौरान आईडीए के अधिकारियों ने बताया कि प्रीतमलाल दुआ सभागृह में रिनोवेशन का कार्य तेजी से चल रहा है और जिस कार्य के टेंडर नहीं हुए है उसे शीघ्र पूरा कराने की कार्यवाही जारी है। साथ ही रिनोवेशन के कार्यों की सतत मॉनिटरिंग भी अधिकारियों द्वारा की जा रही है। उल्लेखनीय है कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त प्रीतमलाल दुआ सभागृह शहर के मध्य में होने की वजह से यहां अधिकांश सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यक्रम लगातार सम्पन्न होते है।

प्रमोशन पॉलिसी पर घमासान

शिवराज के ड्राफ्ट का हवाला देकर कांग्रेस का अड़ंगा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश में सरकारी कर्मचारियों की पदोन्नति नीति अब सियासी तूफान का रूप ले चुकी है। राज्य अंतिम रूप देने की तैयारी में है, वहीं कांग्रेस ने इस मुद्दे पर खुलकर विरोध जताते हुए आंदोलन का बिगुल बजा दिया है। कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार ने सरकार पर दलित और आदिवासी कर्मचारियों के अधिकारों को दबाने का आरोप लगाया है।

उनका कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में बनाए गए 441 पृष्ठीय 'गोरकेला ड्राफ्ट' को जानबूझकर ठंडे बस्ते में डाला गया, जबकि अब सरकार एक नया ड्राफ्ट लाने की तैयारी कर रही है, जो संविधान और सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइनों की अनदेखी लड़ाई अब फाइलों में नहीं, सड़कों पर लड़ी जाएगी है। प्रमोशन का मामला अब सिर्फ प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा नहीं रह गया है, बल्कि एक राजनैतिक और सामाजिक संघर्ष में तब्दील हो गया है। आने वाले दिनों में यह मुद्दा मध्यप्रदेश की राजनीति को गरमाने वाला साबित हो सकता है।

दलित-आदिवासियों को हाशिये पर ढकेलने की साजिश

अगर नया ड्राफ्ट लागू हुआ तो हजारों दलित और आदिवासी कर्मचारियों का प्रमोशन रुक जाएगा। ये सीधा-सीधा सामाजिक न्याय पर हमला है। भाजपा और आरएसएस मिलकर हाशिये के समाज को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने सरकार को चेतावनी दी कि यदि यह नीति वापस नहीं ली गई, तो कांग्रेस प्रदेशभर में सड़क से सदन तक उग्र आंदोलन करेगी।

क्या है गोरकेला ड्राफ्ट?

पूर्ववर्ती शिवराज सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रमोशन में आरक्षण से जुड़े मामलों को सुलझाने हेतु गोरकेला ड्राफ्ट तैयार करवाया था। इसमें आर्थिक, सामाजिक और प्रशासनिक आंकड़ों के आधार पर प्रमोशन में आरक्षण का मॉडल तैयार किया गया था। कांग्रेस का आरोप है कि यह ड्राफ्ट आज तक लागू नहीं किया गया।

सरकार की रणनीति पर सवाल

हालांकि, सरकार की ओर से अभी तक इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन सूत्रों की मानें तो नए प्रमोशन ड्राफ्ट पर तेजी से मंथन चल रहा है, जिसमें आरक्षण का मौजूदा प्रारूप बदलने की बात कही जा रही है।

लड़ाई अब फाइलों में नहीं, सड़कों पर लड़ी जाएगी

केंद्र में राज कर रही भाजपा और आरएसएस दोनों दलितों और आदिवासियों को खत्म करना चाहती है। इसलिए वे सुप्रीम कोर्ट के दिशा निदेर्शों के बाद भी ऐसे ड्राफ्ट लागू करने के बजाय छुपा देती है। कांग्रेस प्रमोशन की लड़ाई अब केवल फाइलों में नहीं, सड़कों पर लड़ेगी।

जल गंगा संवर्धन अभियानः नागरिकों ने किया श्रमदान

जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने और जल बचाने हेतु निकाली गई जल यात्रा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर जिले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुसार जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस अभियान से बड़ी संख्या में लोग जुड़ने लग गये है। शहर हो या गांव सभी जगह जल स्त्रोंतो को पुनर्जीवित करने और जल बचाने हेतु श्रमदान के लिये बड़ी संख्या में लोग आगे आ रहे है। भविष्य के लिये जल और जीवन बचाने हेतु लोगों में इस अभियान के प्रति बड़ा उत्साह देखा जा रहा है।

इंदौर जिले में चलाए जा रहे इस अभियान के अंतर्गत जनअभियान परिषद विकासखण्ड देपालपुर द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत चयनित आदर्श ग्राम लिम्बोदापार में तेजाजी मंदिर परिसर में जल संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें अतिथि के रूप में संभागीय समन्वयक श्री अमित शाह,जिला समन्वयक सुश्री ऋतुजा पहाड़े, सरपंच श्री हरिराम चौहान विशेष रूप से उपस्थित रहे। जल संगोष्ठी में विकासखण्ड समन्वयक श्री सुरेशचंद्र यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि देपालपुर विकासखण्ड के गांव गांव में जल जागरूकता के कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में लोगो ने उत्साह के साथ भाग लिया। जन अभियान परिषद के द्वारा प्रस्फुटन समितियो, छात्रों, नवांकुर, मेंटर, सामाजिक कार्यकताओं गांव-गांव इस अभियान के अंतर्गत काम कर रहे है। आदर्श ग्राम लिम्बोदापार में जल यात्रा करते हुए चंबल नदी में पूजन किया ओर नदी में श्रमदान किया। इस कार्य में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और ग्रामीणजनों ने भी श्रमदान किया। इस अवसर पर उप सरपंच गजेंद्र सोलंकी, केदार पटेल, मिश्रीलाल चौधरी दीनदयाल बैरागी, गट्टा बाई गुर्जर, नवांकुर संस्था से पप्पू परमार, प्रह्लाद चौधरी,संतोष छाड़िया, लाखन सिंह तंवर, मेंटर गोविंद चौहान, सेठी डोडिया, हरिओम दुबे, भूरालाल छाड़िया, विपिन व्यास ने भाग लिया। इस दौरान ग्रामीणजनों ने जल संरक्षण की शपथ भी ली।

इंदौर में रासायनिक औद्योगिक आपदा मॉक अभ्यास आज

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह मंत्रालय भारत सरकार, मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह विभाग भोपाल तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में 17 अप्रैल को सुबह 9:30 बजे एच.पी.सी.एल. एल.पी.जी प्लांट एबी रोड टोल प्लाजा के समीप राउखेड़ी इंदौर में रासायनिक औद्योगिक आपदा पर आधारित मॉक अभ्यास का आयोजन किया जायेगा।

इस मॉक अभ्यास का उद्देश्य औद्योगिक आपदाओं की स्थिति में प्रशासनिक तैयारियों को परखना एवं आम जनता में जागरूकता बढ़ाना है। इस अभ्यास में जिला प्रशासन, पुलिस, फायर ब्रिगेड, एनडीआरएफ, स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम तथा आपदा प्रबंधन से जुड़ी अन्य एजेंसियां सक्रिय रूप से भाग लेंगी। प्रशिक्षण के दौरान रासायनिक रिसाव जैसी काल्पनिक स्थिति उत्पन्न की जाकर उससे निपटने के लिए राहत एवं बचाव कार्य का अभ्यास किया जायेगा। जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों को पूर्व सूचना देते हुए कहा गया है कि यह केवल एक मॉक ड्रिल है और घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। नागरिकों से कहा गया है कि वे मॉक अभ्यास के दौरान शांति बनाए रखें। प्रशासन के निदेर्शों का पालन करें। किसी भी प्रकार की अफवाह से बचें और सही जानकारी दूसरों तक पहुँचाएँ। किसी असुविधा की स्थिति में निकटतम प्रशासनिक अधिकारी को सूचित करें। यह अभ्यास यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक सशक्त कदम है कि भविष्य में किसी भी आपदा की स्थिति में जिले की तैयारियाँ मजबूत रहें और नागरिक सुरक्षित एवं जागरूक बनें।

शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय मोरोद में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

इंदौर। राज्य शासन के अनुसूचित जाति विकास द्वारा संचालित शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय मोरोद में वर्ष 2025-26 के लिए कक्षा 7वीं, 8वीं एवं 9वीं में रिक्त सीटों पर प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो गयी है। आवेदन आगामी 28 अप्रैल शाम 5 बजे तक(शासकीय अवकाश के दिवस छोड़कर) जमा होंगे। शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय मोरोद के प्राचार्य ने बताया कि रिक्त सीटों में प्रवेश केवल अनुसूचित जाति एवं बीपीएल कार्ड धारक परिवारों के बालक-बालिकाओं को दिया जायेगा। इसके लिए पूर्व कक्षा में 60 प्रतिशत या बी ग्रेड होना, शासन द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग हेतु 90 प्रतिशत तथा सामान्य/पिछड़ा वर्ग/अनुसूचित जनजाति के ऐसे विद्यार्थी जो बीपीएल कार्ड धारक(गरीबी रेखा) है, उनके लिए 10 प्रतिशत सीटें आरक्षित है।

25 लाख पौधों के लिए जमीन की तलाश शुरू, बारिश से पहले बड़ी चुनौती, महू, मानपुर, चोरल और इंदौर रेंज में चिन्हित हो रहीं जगहें

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

वन विभाग पिछले कई दिनों से लगभग 25 लाख पौधे लगाने के लिए उपयुक्त जमीन की तलाश कर रहा है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, जल संसाधन मंत्री द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत इंदौर वन विभाग को 25 लाख पेड़-पौधे लगाने के निर्देश दिए गए हैं। इस अभियान के तहत बड़े स्तर पर पौधारोपण की योजना बनाई गई है, जिसके लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान की जा रही है।

मंत्री तुलसी सिलावट के निर्देश के बाद वन विभाग ने महू, मानपुर, चोरल सहित इंदौर फॉरेस्ट रेंज में पौधे लगाने के लिए स्थानों को चिह्नित करना शुरू कर दिया है। डीएफओ प्रदीप मिश्रा के अनुसार, कई स्थानों की पहचान कर ली गई है, जहां पर बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जाएगा। हालांकि वन विभाग के कर्मचारियों का कहना है कि 25 लाख नए पौधे लगाने के लिए जमीन तलाशना आसान नहीं है, क्योंकि पिछले वर्ष ही मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के आदेश पर 51 लाख पौधारोपण अभियान चलाया गया था, जिसमें विभाग ने लगभग 25 लाख पौधे पहले ही लगा दिए थे।

हर साल 5 लाख पौधारोपण की परंपरा, इस बार चुनौती बड़ी

इसके अलावा, वन विभाग हर साल वर्षा ऋतु से पहले लगभग 5 लाख पौधे स्वयं भी लगाता है। इस वर्ष भी बारिश से पहले गड्ढे खोदने की तैयारियाँ जोरों पर हैं। ऐसे में इस बार पौधों की संख्या और जिम्मेदारी दोनों ही अधिक हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत अब पूरा वन अमला इंदौर की चारों फॉरेस्ट रेंजों में पौधारोपण के लिए जगह तलाशने में व्यस्त है। यह अभियान विभाग के लिए एक बड़ी प्रशासनिक और जमीनी चुनौती बन चुका है।

30 लाख पौधे लगाने की बड़ी जिम्मेदारी, हरियाली बढ़ाने की पहल

पिछले वर्ष के अभियान के बाद इस साल भी इंदौर वन विभाग के सामने करीब 30 लाख पेड़-पौधे लगाने और उनका संरक्षण सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है। अब देखने वाली बात यह होगी कि विभाग कितने समय में 25 लाख पौधों के लिए जमीन का बंदोबस्त कर पाता है। उल्लेखनीय है कि शहर में हरियाली को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें सरकारी एजेंसियों के साथ-साथ आम नागरिकों की भागीदारी भी होती है। जल गंगा संवर्धन अभियान भी इसी कड़ी में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जिसके तहत लाखों पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया गया है।

एजुकेशन पोर्टल 3.0 में है मानव संसाधन से संबंधित व्यापक जानकारी स्कूल शिक्षा विभाग ने नये शिक्षा सत्र में तैयार किया है एजुकेशन पोर्टल

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

स्कूल शिक्षा विभाग ने नये शिक्षा सत्र एक अप्रैल, 2025 से एजुकेशन पोर्टल 3.0 तैयार किया है। इस पोर्टल में विभाग से जुड़ी मानव संसाधन की व्यापक जानकारी का समावेश किया गया है। इस पोर्टल से विभाग के कर्मचारियों का डाटाबेस तैयार किया गया है।

पोर्टल में मानव संसाधन से संबंधित जानकारी को कर्मचारी और विकासखण्ड स्तर पर वेरीफाई किया गया है। इसमें विभाग के करीब 2 लाख 75 हजार कर्मचारियों की समस्त जानकारी पारदर्शी रूप से पोर्टल पर प्रदर्शित की गयी है। विभाग के पौने तीन लाख कर्मचारियों के स्थासनांतरण को भी पारदर्शी माध्यम से स्थानांतरण नीति-2022 के आधार पर ऑनलाइन ट्रांसफर मॉड्यूल तैयार किया गया है। उच्च पद प्रभार एवं अतिथि शिक्षक प्रक्रिया को भी पोर्टल पर ऑनलाइन किया जा रहा है। विभाग के सभी कर्मचारियों को वेतन पर्ची उनके मोबाइल पर प्राप्त हो सके, ऐसी व्यवस्था विभाग द्वारा की गयी है।

परिवेदना प्रणाली

विभाग के कर्मचारी छोटी-छोटी समस्याओं के लिये जिला या मुख्यालय स्तर पर चक्कर न लगायें। इसके लिये उनकी शिकायतों निराकरण के लिये परिवेदना प्रणाली को ऑनलाइन

किया गया है। पोर्टल में इंटीग्रेटेड डेशबोर्ड से मुख्यालय, जिला और विकासखण्ड स्तर पर समस्त गतिविधियों की मॉनीटरिंग किये जाने की व्यवस्था की गयी है। एजुकेशन पोर्टल 3.0 में एकीकृत डाटाबेस के आधार पर जानकारी तैयार की जा रही है। यह जानकारी सुरक्षित रहे, इसके लिये ब्लॉक चेन बेस्ड टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है। विभाग में विभिन्न जानकारियों के लिये अलग-अलग पोर्टल का उपयोग अब तक किया जा रहा था। अब विभाग में एकीकृत पोर्टल के माध्यम से सभी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा सकेगा।

मॉनीटरिंग सहित एआई तकनीक का उपयोग

एजुकेशन पोर्टल 3.0 में ऑर्टीफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग किया जा रहा है। पोर्टल पर दी गई सुविधा से स्कूल स्तर पर विद्यार्थी एआई जैसी तकनीक का उपयोग कर सकेंगे। सीएम राइज योजना के अंतर्गत संचालित विद्यालयों में सिलेबस, कैलेण्डर, टाइम-टेबल, टीचर एण्ड क्लॉस और स्कूल ट्रांसपोर्ट जैसी गतिविधियों को ऑनलाइन किया गया है। प्रदेश के सरकारी स्कूल की बसों में भी जीपीएस एवं कैमरों के माध्यम से मॉनीटरिंग की व्यवस्था एजुकेशन पोर्टल 3.0 में की गयी है। सभी सरकारी स्कूलों में उपलब्ध इन्फ्रा-स्ट्रक्चर और प्रोक्योरमेंट को भी ऑनलाइन किया गया है। अभिभावकों की सुविधा के लिये पोर्टल के माध्यम से बच्चे की डायरी को भी ऑनलाइन किया जा रहा है, जिससे अभिभावक अपने बच्चों के टेस्ट, मार्क्स एवं होमवर्क ऑनलाइन देख सकेंगे। विद्यार्थियों के लिये व्होकेशनल और कैरियर गाइडेंस को ऑनलाइन किया गया है, जिससे विद्यार्थी प्रगति की ओर अग्रसर हो सकें। पहली बार प्रदेश में सरकारी स्कूल की केश-बुक ऑनलाइन लिखने की सुविधा प्रदान की जा रही है, जिससे विभाग के बजट की पूर्णतः मॉनीटरिंग किया जा सकेगा। विभाग के सभी छोटे-बड़े निर्माण कार्यों की मॉनीटरिंग भी ऑनलाइन करने की सुविधा पोर्टल में दी गयी है।

कार्बन उत्सर्जन को कम कर पर्यावरण संरक्षण में इलेक्ट्रॉनिक वाहनों का उत्पादन एक सकारात्मक पहल है - डॉ. भरत शर्मा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश में अग्रणी कार निमार्ता कंपनी मारुति सुजुकी ने इलेक्ट्रॉनिक वाहन की श्रृंखला में स्मार्ट यूटिलिटी व्हीकल एस यू वी श्रेणी में ई विटारा का इंदौर शहर का प्रथम लोकार्पण संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार - सदस्य और साउथ एशियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के महानिदेशक डॉ भरत शर्मा द्वारा गीता भवन स्थित मारुति सुजुकी के नेक्सा शोरूम ओशन मोटर्स में किया गया।

डॉ भरत शर्मा ने उक्त अवसर पर बधाई देते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सबकी सामूहिक जवाबदारी है और वाहन उद्योग इसकी पहल कर रहा है और यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में इस विषय पर उद्योग जगत को काफी प्रोत्साहन और सहयोग किया जा रहा है । यह विषय विश्वस्तर पर कार्बन उत्सर्जन कम करने और पर्यावरण संरक्षण की सृष्टि से सराहनीय है। उक्त लोकार्पण अवसर पर ओशन मोटर्स संस्था के प्रबंध निदेशक श्री महेंद्र पटेल, अमन पटेल, मारुति सुजुकी नेक्सा शोरूम के महाप्रबंधक श्री पवन तलरेजा, धवल चौधरी द्वारा डॉ. भरत शर्मा का स्वागत पुष्पगुच्छ देकर किया और लोकार्पण केक काटकर किया गया। उद्घाटन अवसर पर ऑस्ट्रेलिया की कंपनी के प्रतिनिधित्व के रूप में श्री बालेश मुदलियार, श्री आलोक वर्मा, मो. परवेज खान, श्री योगेश शर्मा, मो. कलीम शेख व राकेश रावल विशेष रूप से मौजूद रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के विभिन्न पदों पर साक्षात्कार 27 अप्रैल को

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला न्यायालय परिसर इन्दौर के अंतर्गत लीगल एड डिफेंस काउंसिल कार्यालय हेतु कार्यालय सहायक, रिसेप्शनिस्ट कम डेटा एंट्री ऑपरेटर तथा भृत्य के पदों हेतु साक्षात्कार 27 अप्रैल को प्रातः 9 बजे से न्यायालय क्रमांक - 3 के पास स्थित सभागृह में आयोजित किये जायेंगे। अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे साक्षात्कार हेतु निर्धारित समय से 01 घंटे पूर्व नियत स्थान पर उपस्थित रहें।

मध्य प्रदेश में एक्टिव मोड में दिखेगी कांग्रेस, तेज होंगे आंदोलन, जनता के बीच दिखेंगे कांग्रेसी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अधिवेशन में पार्टी ने संगठन को मजबूत करने के लिए अंदरूनी तौर पर बड़े स्तर के बदलाव के संकेत दे दिए हैं जिसमें संगठन में उन्हों नेताओं को जगह मिलेगी, जो सक्रिय रहेंगे यानी घर बैठे नेताओं को संगठन के दायित्वों से मुक्त किया जा सकता है।

ऐसे में अब विधानसभा और लोकसभा चुनाव के बाद से निष्क्रिय चाल रहे नेताओं को कांग्रेस संगठन में बने रहने के लिए सक्रिय होना पड़ेगा। कांग्रेस के तप मुद्दे जातिगत जनगणना, बेरोजगारी, अजा अजजा अत्याचार, महंगाई, भ्रष्टाचार आदि पर नेताओं को विरोधी दलों और सरकारों के खिलाफ जनआंदोलन खड़ा करना होगा। एआईसीसी के अधिवेशन के बाद कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी जल्द ही प्रदेश स्तरीय अधिवेशन की रूपरेखा तैयार करेंगे। इससे

पहले वे प्रदेश भर का दौरा करेंगे। जिसमें पार्टी के अन्य नेता भी भागीदार हंगि। परवानी ने कहा कि मप्र कांग्रेस का अधिवेशन अगले महीने हो राजधानी भोपाल में हो सकता है। इससे पहले वे संगठनात्मक स्तर पर लंबित फैसलों पर निर्णय ले सकते है बताया गया कि प्रदेश स्तरीय अधिवेशन से पहले जिलाध्यक्ष एवं ब्लॉक अध्यक्ष तय हो जाएंगे। अब पार्टी का फोकस हर ग्राम पंचायत में पंचायत समिति और शहरी क्षेत्र में मोह समिति बनाने पर है। इस दिशा में अब पार्टी बहुत तेजी से आगे बढ़ेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि सरकार की मनमानी नहीं होने देंगे। मप्र में हर वर्ग के हितों के लिए कठोस लड़ई लढ़ेगी।

घर बैठे नेता होंगे एक्टिव

लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव हारने के बाद मप्र कांग्रेस के ज्यादातर बड़े नेताओं ने खुद को सोभित कर लिया था। प्रदेश कांग्रेस की बैठकों एवं पार्टी के कार्यक्रम, आंदोलनों से भी दूरी बना ली थी। लेकिन अब ऐसा नहीं चलेगा। सभी नेताओं को पार्टी के कार्यक्रमों में भागीदारी करनी होगी। अभी तक कांग्रेस के दूसरे नेता सिर्फ बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते थे, खासकर कई मामलों में संगठन की कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल उठा चुके हैं। निकट भविष्य में कांग्रेस की कार्यप्रणाली में बदलाव की संभावना है। ज्यादातर बड़े कार्यकम दिसे तय होंगे। जिसमें सभी नेताओं की भागीदारी सुनिश्चित होगी। प्रदेशाध्यक्ष को ज्यादा अधिकार मिलेंगे।

केंद्रीय नेतृत्व तय करेगा एजेंडा

कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में नेताओं ने संकेत दे दिए हैं कि भविष्य में पार्टी किन एजेंडों के तहत आगे बढ़ेगी। प्रमुख एजेंडों में जातिगत जनगणना, पिछड़ू, किसान, अज, अजजा महिला अत्याचार, जबान भूमि अधिग्रहण, महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार शामिल हैं। देश के ज्यादातर राज्यों में कांग्रेस सरकार से बाहर हैं। ऐसे में समाज के बड़े वर्ग को साधने के लिए एजेंडे केंद्र से तय होंगे। इन्हीं एजेंडों के आधार पर पार्टी अलग-अलग वर्ग से जुड़ेगी और जनआंदोलन खड़ा करेगी।

इंदौर में जहां चलेगी मेट्रो ट्रेन, वहां आबादी ही नहीं, कैसे मिलेंगे मेट्रो को यात्री?

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

सुपर कॉरिडोर पर छह किलोमीटर लंबा रूट मेट्रो ट्रेन के संचालन के लिए तैयार हो गया है। इसके लिए मेट्रो रेल कापोरेंशन ने किराया भी तय कर दिया है। मेट्रो का संचालन कब से शुरू होगा। यह अभी तक तय नहीं हो पाया है, लेकिन गांधी नगर डिपो से बड़ा बांगड़दा तक जिस हिस्से में मेट्रो ट्रेन का संचालन होगा, वहां आबादी ही नहीं है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि मेट्रो को यात्री कैसे मिलेंगे?

मेट्रो के पहले रूट पर न तो अभी बसाहट हुई है और न ही कोई व्यापारिक क्षेत्र है। इसके चलते अभी उस रुट पर मेट्रो के लिए यात्री मिलना मुश्किल है। अभी सुपर कॉरिडोर पर टीसीएस और इंफोसिस के बड़े कैम्पस हैं। उनमें काम करने वाले कर्मचारी भी एरोड्रम क्षेत्र, सुखलिया ग्राम या विजय नगर क्षेत्र में रहते हैं, लेकिन मेट्रो के मौजूदा रूट में ये इलाके नहीं हैं। इस कारण इन कंपनियों के कर्मचारियों को भी मेट्रो ट्रेन का ठीक से फायदा नहीं मिल पाएगा। यदि मेट्रो ट्रेन गांधी नगर से विजय नगर तक संचालित होती है तो फिर यात्री बढ़ सकते हैं, क्योंकि गांधी नगर क्षेत्र के कई लोग काम के सिलसिले में विजय नगर या उससे आगे जाते हैं। उनके लिए बेहतर कनेक्टिविटी हो जाएगी। मेट्रो लाइन के शहर के मध्य हिस्से में अंडरग्राउंड काम होना है। इसके लिए टेंडर भी मंजूर हो चुके हैं। कंपनियों को भी कार्य आदेश दिया जा चुका है, लेकिन अभी तक काम शुरू नहीं हो पाया है। दरअसल, नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय व अन्य जनप्रतिनिधियों को नाथ मंदिर से मेट्रो के अंडरग्राउंड किए जाने पर आपत्ति है। उनका कहना है कि मेट्रो बंगाली कॉलोनी चौराहा से ही अंडरग्राउंड हो ताकि पलासिया चौराहे पर ब्रिज बनाने या भविष्य में होने वाले अन्य निर्माण के लिए परेशानी न हो। अभी मेट्रो का काम गांधी नगर से एमआर-9 चौराहे तक ही चल रहा है। उससे आगे काम नहीं हो रहा है।

जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष लखन यादव बने

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के जिला बार एसोसिएशन के नजीते आ गए। अलग-अलग चक्रों की मतगणना के बाद प्राप्त नतीजों में अध्यक्ष पद के उम्मीदवार लखनलाल यादव को सबसे ज्यादा 1151 वोट मिले। उनके निकटतम प्रतिद्वंदी राकेश पाल को 1033 वोट प्राप्त हुए। मतदान सुबह 11 मतदान शुरू हुआ था। नतीजे देर रात आए। सचिव कपिल बिरथरे चुने गए है। उन्हें 1579 वोट मिले।

इस वार युवा वोटर निर्णायक स्थिति में रहे। सभी उम्मीदवारों ने युवा वोटरों को साधने की कोशिश की थी। इस बार उनकी संख्या 300 से ज्यादा थी।मतदान समाप्ति तक 3253 वकीलों ने मतदान किया। इंदौर जिला बार एसोसिएशन में कुल 4739 वोटर

है। चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सहसचिव व कोषाध्यक्ष के पद पर चार-चार और कार्यकारिणी सदस्य के छह पदों पर 16 उम्मीदवार मैदान में है। शाम को मतगणना शुरू हो गई थी, जो देर रात तक चली। उपाध्यक्ष पद पर जितेंद्र नीम चुने गए। उन्हें 1500 वोट मिले है। इसके अलावा सह सचिव पद के लिए विजय व्यास चुने गए। उन्हें 1040 वोट मिले है। इसके अलावा कोषाध्यक्ष पद के उम्मीदवार पुरूषोत्तम सोमानी को 1234 वोट मिले।

इंदौर में झोपड़ी से निकाल कर गरीबों को बसा दिया फ्लैटों में, लेकिन पानी का इंतजाम नहीं

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में नगर निगम ने कई गरीब परिवारों को सस्ते दामों पर फ्लैट दिए। सड़क के लिए उनके घर उजाड़े तो भी उन्हें बदले में शहर के अलग-अलग स्थानों पर फ्लैट दिए, लेकिन वहां मूलभूत सुविधाएं नहीं दी। इंदौर की अहिरखेड़ी में बसाए गए परिवार जलसंकट झेल रहे है। यहां तीन सौ से ज्यादा परिवारों के लिए फ्लैट बनाए गए है, लेकिन पानी के लिए मल्टियों में टंकियां नहीं रखी।

जो बोरिंग कराए है। उनमें भी पानी काफी कम आ रहा है। इस कारण यहां रहने वाले परिवारों को पानी दूर से लाना पड़ रहा है। रहवासियों का कहना है कि नगर निगम अफसरों को पानी के टैंकरों के लिए कई बार फोन लगाना पड़ते है। टैंकर आते भी है तो पहले पानी भरने के चक्कर में परिवार आपस में लड़ने लगते है। लोगों ने पानी के

लिए कोठियां ले रही है।

एमटीएच अस्पताल भी टैंकरों के भरोसे

एमजीएम कॉलेज के अंतर्गत आने वाले एमटीएच अस्पताल में भी पानी की किल्लत से मरीज परेशान हो रहे है। यहां रोज पानी की आपूर्ति नगर निगम के टैंकरों के भरोसे हो रही है। गर्मी में यहां के बोरिंग साथ छोड़ देते है। पिछले साल तो जलसंकट के कारण यहां सर्जरी प्रभावित होने लगी थी। डॉक्टरों को हाथ धोने के लिए पानी नहीं रहता था। सर्जरी के बाद वे स्पीरिट से हाथ धोते थे। डाक्टरों का कहना है कि यहां रोज सैकड़ों मरीज इलाज के लिए आते है। नगर निगम को यहां नर्मदा का बड़ा कनेक्शन देना चाहिए, ताकि मरीजों को भी परेशान न होना पड़ा। शौचालयों में पानी नहीं होने के कारण मरीज व उनके परिवारों को परेशान होना पड़ता है।

फैक्ट्री में मजदूर की रहस्यमयी मौत, सीसीटीवी में सामने आई चौंकाने वाली सच्चाई

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के बाणगंगा इलाके स्थित एक फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक के परिवार ने फैक्ट्री प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए फैक्ट्री परिसर से सीसीटीवी फुटेज जब्त किए हैं। मंगलवार को जब्त किए गए फुटेज में मृतक मजदूर फैक्ट्री के गेट पर खुद गिरता हुआ नजर आ रहा है, जिससे मामले ने नया मोड़ ले लिया है।

पुलिस ने मृतक के परिजनों को सीसीटीवी फुटेज दिखाए और उन्हें प्रारंभिक जानकारी से अवगत कराया। इसके बाद पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वीडियो में यह स्पष्ट दिख रहा है कि मजदूर खुद गिरा है, हालांकि अभी मौत के असली कारण का पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा। पुलिस द्वारा जब्त किए गए सीसीटीवी फुटेज की तकनीकी जांच भी करवाई जा रही है। एडिशनल डीसीपी राम स्नेही मिश्रा ने बताया कि सोमवार को सांवेर रोड स्थित एक फैक्ट्री में काम करने वाले कैलाश पुत्र लच्छू लोधी की अचानक मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवा लिया है और रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। उधर, कैलाश के परिजनों का आरोप है कि फैक्ट्री प्रबंधन ने समय पर उपचार नहीं दिया, जिससे उसकी जान गई।

सिलावट ने जल संरक्षण के लिए स्वयं श्रमदान कर ग्रामीणों को भी किया प्रेरित

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

जल संरक्षण और स्वच्छता को समर्पित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बुधवार को जल संसाधन मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक श्री तुलसीराम सिलावट ने सांवेर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत पीर कराडिया और डकाच्या का भ्रमण किया। इस अभियान के तहत डकाच्या स्थित प्राचीन शिव मंदिर बावड़ी में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया।

बावड़ी की साफ-सफाई कर जल स्त्रोतों के संरक्षण व संवर्धन का संदेश दिया गया। इस अवसर पर मंत्री श्री सिलावट ने बावड़ी के

सौंदर्यीकरण व जीर्णोद्धार कार्य हेतु 3 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की। अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत पीर कराडिया के श्रीराम मंदिर परिसर में भी स्वच्छता अभियान चलाया गया।

हीटवेव का कहर ! इंदौर में 41 पार जाएगा पारा, 3 दिन भारी !

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में सुबह से ही तेज धूप देखने को मिली है। लगातार दूसरे दिन शहर में तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बुधवार को 39.9 डिग्री दिन का पारा रहा जिसमें -.2 की कमी रही और रात का पारा 25.6 रहा जिसमें 1.1 डिग्री का उछाल रहा। इससे पहले मंगलवार को इंदौर में दिन का तापमान 1.8 डिग्री बढ़कर 40.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं, रात का तापमान भी 1.1 डिग्री उछलकर 24.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में यह बढ़ोतरी गर्मी के प्रकोप को दर्शा रही है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

प्रदेशभर में तेज गर्मी का असर, लू चलने की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार, मध्यप्रदेश में अगले तीन दिनों तक तेज गर्मी का असर बना रहेगा। खासतौर पर ग्वालियर, चंबल, इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में हीट वेव यानी लू चल सकती है। बुधवार को प्रदेश के सभी जिलों में गर्मी और अधिक बढ़ने की संभावना है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और सागर संभाग में पारा 41 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है। मौसम विभाग ने 18 अप्रैल तक तेज गर्मी की चेतावनी जारी की है। इस अवधि में बारिश

की कोई संभावना नहीं है, हालांकि पूर्वी मध्यप्रदेश के जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में कुछ स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। फिलहाल प्रदेश में मौसम से जुड़े तीन सिस्टम सक्रिय हैं। इनमें दो साइक्लोनिक सकुर्लेशन और एक ट्रफ लाइन शामिल है। इसके साथ ही मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि 16 अप्रैल से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में एक नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) सक्रिय हो सकता है। यदि ऐसा होता है, तो इसका असर मध्यप्रदेश पर दो दिन बाद यानी 18 अप्रैल से दिख सकता है। इससे प्रदेश के तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट संभावित है, जिससे कुछ हद तक राहत मिल सकती है।

रतलाम के सैलाना में बारिश, पर सबसे ज्यादा गर्मी भी वहीं

मंगलवार को मध्यप्रदेश में तेज गर्मी का व्यापक असर देखा गया। कई शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। इसी दौरान रतलाम जिले के सैलाना में दोपहर के समय हल्की बारिश दर्ज की गई। हालांकि हैरानी की बात यह रही कि बारिश के बावजूद सैलाना में ही सबसे अधिक गर्मी रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को रतलाम में अधिकतम तापमान 42.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो प्रदेश में सबसे अधिक था।

बीआरटीएस तोड़ने से इंदौर नगर निगम कमाएगा करोड़ों

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर नगर निगम ने बीआरटीएस कॉरिडोर के संपूर्ण सर्वे का कार्य पूर्ण कर लिया है। इस सर्वे में यह स्पष्ट हो गया है कि इस कॉरिडोर को तोड़ने में कितनी लागत आएगी और मलबा एवं अन्य सामग्री की बिक्री से कितनी आय होगी।

सर्वे के अनुसार, कॉरिडोर को तोड़ने में लगभग 34.70 लाख रुपए का खर्च आएगा, जबकि मलबा और अन्य सामग्री की बिक्री से निगम को लगभग 3.71 करोड़ रुपए प्राप्त होंगे। इस प्रक्रिया से शुद्ध लाभ के रूप में निगम को 3.37 करोड़ रुपए की कमाई होगी। राज्य सरकार द्वारा कॉरिडोर को हटाने का निर्णय लिया गया

था, जिसे हाईकोर्ट की स्वीकृति भी मिल चुकी है। अब नगर निगम द्वारा तोड़ाई की प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी।

कॉरिडोर तोड़ने में आएगा इतना खर्च

सर्वे के मुताबिक, कॉरिडोर में आरसीसी बीम की कुल लंबाई 10475 मीटर, चौड़ाई 0.35 मीटर तथा गहराई 0.30 मीटर है, जिसका कुल घनफल 2199 घनमीटर है। इसे हटाने की लागत प्रति घनमीटर 786 रुपए के अनुसार 17.29 लाख रुपए होगी। वहीं, 18 बस शेल्टर होम की कुल लंबाई 344 घनमीटर है, जिस पर 8.20 लाख रुपए का खर्च आएगा। इसके अतिरिक्त अन्य छोटे आरसीसी निर्माण 32207 घनमीटर क्षेत्र में फैले हैं और स्क्रब्स 40105 घनमीटर में निर्मित हैं। इन निमार्णों को हटाने पर 3.25 लाख रुपए का खर्च आएगा। कॉरिडोर के दोनों ओर लगी स्टील की रैलिंग, जिनका कुल क्षेत्रफल 3.67 लाख वर्गमीटर है, इन्हें निकालने पर भी कुछ खर्च आएगा। कुल मिलाकर यह पूरा कार्य 34.70 लाख रुपए में संपन्न होगा।

मलबा और सामग्री से होगी करोड़ों की कमाई

नगर निगम द्वारा कराए गए आकलन के अनुसार, कॉरिडोर से लगभग 1.53 लाख किलो स्टील निकलेगा, जिसकी बिक्री से 46 लाख रुपए मिलेंगे। इसके अतिरिक्त, 10000 मीटर लंबाई की रैलिंग और 90 प्रतिशत ए-श्रेणी का स्क्रैप मटेरियल निकलेगा, जिसकी बिक्री 45 रुपए प्रति किलो की दर से की जा सकेगी और इससे 2.31 करोड़ रुपए की कमाई होगी। वहीं, बस शेल्टर होम में प्रयुक्त अतिरिक्त आइटम की बिक्री से 90 लाख रुपए की आय होगी। इस प्रकार कुल मिलाकर निगम को 3.71 करोड़ रुपए की प्राप्ति होगी।

दो महीने में होगा काम पूरा, टेंडर प्रक्रिया जल्द

नगर निगम जनकार्य विभाग के प्रभारी और महापौर परिषद सदस्य राजेंद्र राठौर ने जानकारी दी कि कॉरिडोर को तोड़ने में लगभग दो महीने का समय लगेगा। निगम अब जल्द ही इस कार्य के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू करेगा। ठेकेदारों को यह प्रस्ताव देना होगा कि वे तोड़ाई के काम के बदले निगम को कितनी राशि देंगे। जो ठेकेदार अधिकतम राशि का ऑफर देगा, उसे यह ठेका दिया जाएगा। ठेकेदार को ही मलबा और मटेरियल भी मिलेगा। निगम को कम से कम 3.37 करोड़ रुपए प्राप्त होने की संभावना है। इस प्रक्रिया से निगम को आर्थिक लाभ के साथ शहर के विकास कार्यों के लिए भी नई राह मिलेगी।

फसल अवशेष (नरवाई) जलाने वालों के विरुद्ध जिला प्रशासन हुआ और सख्त

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर जिले में फसल अवशेष (नरवाई) जलाने वालों के विरुद्ध कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में बड़ी कार्रवाई करते हुए आज तीन किसानों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है। अभियान चलाकर की जा रही इस कार्रवाई में नरवाई जलाने पर अभी तक 770 किसानों के विरुद्ध 16 लाख 71 हजार 500 रुपये का अर्थ दंड किया गया है।

इसी तरह जिले में आज बुधवार को एक दिन में ही 102 किसानों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज करते हुए 3 लाख 9 हजार 500 रुपये का अर्थ दंड किया गया है । यह कार्यवाही आगामी दिनों में भी निरन्तर जारी रहेगी। जिले में आज कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर हातोद क्षेत्र में एक, जूनी इंदौर क्षेत्र में एक तथा भिचोलीहप्सी क्षेत्र में एक एफआईआर दर्ज कराई गई है। जिले में ग्राम पंचायत मुख्यालय पर कृषि से संबंधित मैदानी अधिकारियों एवं राजस्व विभाग के पटवारियों द्वारा पंचायत सचिवों के साथ समन्वय कर कृषक संवाद कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं तथा किसानों को नरवाई जलाने से होने वाले नुकसानों से किसानों को अवगत कराया जा रहा है।

सायलो केंद्र पर हो सकता है गेहूं तुलाई का संकट, भंडार क्षमता पूरी होने के करीब, तो किसान होंगे परेशान

सीहोर ■

सीहोर शहर के मंडी स्थित सायलो खरीदी केंद्र पर गेहूं तुलवाने का संकट खड़ा हो सकता है। अंतिम तारीख से पहले ही सायलो केंद्र की भंडारण क्षमता पूरी होने की स्थिति में पहुंच गई है। इससे अब आगामी दिनों में स्लॉट बुक कर उपज लेकर आने वाले किसानों के सामने गेहूं तुलवाने का संकट खड़ा हो सकता है। किसानों को मजबूरी में दूसरी जगह उपज ले जाना पड़ेगा तो परेशानी के साथ आर्थिक नुकसान अलग से उठाना पड़ेगा।

जानकारी के अनुसार, सीहोर के मंडी सायलो केंद्र की कुल 50 हजार मीट्रिक टन भंडारण क्षमता है। इसमें 22 हजार मीट्रिक टन गेहूं पिछले साल का भरा हुआ है। 28 हजार मीट्रिक टन शेष जगह है, उसमें भी अब तक सात हजार किसानों के 26 हजार मीट्रिक टन गेहूं बेचने से क्षमता सिमटकर दो हजार एमटी रह गई है। अब भी किसानों के उपज लेकर आने का सिलसिला लगातार जारी रहने से एक सप्ताह के अंदर सायलो केंद्र पूरी तरह फुल हो जाएगा। इसके बाद केंद्र आने वाले किसानों को दिक्कत होगी।

उकृषि मंडी में उपज बेचने के लिए होंगे मजबूर

सायला केंद्र से आसपास के 10 से ज्यादा गांव जुड़े हैं। खरीदी शुरू होने के बाद से ही इन गांव के पंजीकृत किसान स्लॉट बुक कर उपज ला रहे हैं। ऐसे में केंद्र की भंडार क्षमता पूरी होने के बाद उपज बेचने में किसानों को समस्या का सामना करना पड़ेगा। किसानों के पास दो ही विकल्प रहेंगे। पहला यही कि दूसरे केंद्र जाना पड़ेगा और दूसरा कृषि उपज मंडी में उपज बेचने मजबूर होना पड़ेगा। इससे किसान चिंतित नजर आ रहा है। इधर, सायलो प्रबंधन का कहना है कि भंडारण क्षमता पूरी होने के बाद कोई किसान आया तो उसे मना करना पड़ेगा।

3 लाख 90 हजार उमीट्रिक टन उपज की हो गई खरीदी

जिले में इस बार 88 हजार 144 किसानों ने उपार्जन केंद्रों पर गेहूं बेचने पंजीयन कराया है। 240 केंद्रों पर खरीदी हो रही है। जिसमें अब तक 47 हजार से ज्यादा किसानों ने 3 लाख 90 हजार मीट्रिक टन के आसपास उपज बेची है। जिसमें उनको 700 करोड़ से अधिक का भुगतान हो गया है। बीते कुछ दिनों से देखे तो कई केंद्रों पर गेहूं लेकर आने वाले किसानों की काफी भीड़ देखने मिल रही है। उनको सुबह से शाम तक इंतजार करना पड़ता है, तब कही जाकर उपज तुलवाने का नंबर आता है।

किसान उपज लेकर आया तो खरीदना होगा मुश्किल

इस संबंध मं सायलो केन्द्र के प्रभारी मुकेश पटेल का कहना है कि सायलो केंद्र में 22 हजार मीट्रिक टन गेहूं पिछले साल का ही भरा हुआ है। इस साल भी केंद्र बनाने से 26 हजार मीट्रिक टन की खरीदी हो गई है। 2000 मीट्रिक टन ही भंडारण क्षमता बची है। इसके बाद किसान उपज लेकर आया तो खरीदना संभव नहीं होगा।

रतलाम का पारा 42.6 डिग्री दर्ज, धार के मनावर और पांढुर्णा में हुई बारिश, 3 दिन लू का अलर्ट

भोपाल ■

मध्य प्रदेश के मौसम में उतार-चढ़ाव जारी है। एक बार फिर गर्मी का दौर शुरू हो गया है। प्रदेश का अधिकतम तापमान 42 डिग्री से ज्यादा दर्ज किया गया है। वहीं बुधवार को धार के मनावर में करीब आधे घंटे तक तेज बारिश हुई। वहीं पांढुर्णा में भी पानी गिरा है। बुधवार को प्रदेश के 9 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया। इनमें रतलाम, नर्मदापुरम, खंडवा, शाजापुर, खरगोन, नरसिंहपुर, उज्जैन, धार और गुना शामिल हैं। सबसे गर्म रतलाम रहा, जहां तापमान 42.6 डिग्री दर्ज किया गया। नर्मदापुरम में टेम्परेचर 41.6, खंडवा में 41.5, शाजापुर में 41.1 और खंडवा-नरसिंहपुर में 41 डिग्री रहा। प्रदेश में अगले 3 दिन तेज गर्मी का असर रहेगा। ग्वालियर, चंबल, सिस्टम एक्टिव है। इनमें दो साइक्लोनिक सकुर्लेशन और तीसरा ट्रफ शामिल हैं। 16 अप्रैल से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र को नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) प्रभावित कर सकता है। ऐसा होता है तो प्रदेश में दो दिन बाद असर देखने को मिलेगा। जिससे पारे में 2 से 3 डिग्री की गिरावट हो सकती है। मंगलवार को तेज गर्मी का असर रहा। इस कारण कई शहरों में दिन का पारा 40 डिग्री के पार पहुंच गया। रतलाम में सबसे ज्यादा गर्मी दर्ज की गई। यहां अधिकतम तापमान 42.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। धार-नर्मदापुरम में 41.2 डिग्री, खंडवा में 41.1 डिग्री, शाजापुर-नरसिंहपुर में 40.6 डिग्री और खरगोन में तापमान 40.2 डिग्री सेल्सियस रहा। बड़े शहरों की बात करें तो उज्जैन में सबसे ज्यादा 40.8 डिग्री रहा।

इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में हीट वेव यानी, लू भी चल सकती है। मौसम विभाग ने 18 अप्रैल तक तेज गर्मी की संभावना जताई है। इस दौरान बारिश के आसार नहीं है। पूर्वी हिस्से यानी, जबलपुर, रीवा-शहडोल संभाग में कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है।

तीन दिन बाद फिर बदलेगा मौसम

मध्य प्रदेश मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिक वेद प्रकाश ने बताया कि प्रदेश में अभी तीन सिस्टम एक्टिव है। इनमें दो

कांग्रेस ने किया प्रदर्शन, गांधी परिवार पर कार्रवाई को बताया बदले की भावना

सिवनी ■

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ की जा रही ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स की कार्रवाई के विरोध में कांग्रेसियों ने सिवनी में प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस के नेताओं और कार्यकताओं ने कार्रवाई को राजनीतिक प्रतिशोध बताते हुए लोकतंत्र पर हमला करार दिया। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार ने देश के लिए बहुत कुछ किया है। उनके योगदान भुलाया नहीं जा सकता है। इसके बावजूद केंद्र की भाजपा सरकार विपक्ष के खिलाफ एजेंसियों का इस्तेमाल कर हमारी आवाज को दबाना चाहती है। कांग्रेस का कार्यकर्ता

यह नहीं होने देगा। हमल इसके खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे।

रैली निकालकर जताया विरोध

प्रदर्शन की अगुवाई जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार खुराना और केवलारी विधायक ठाकुर रजनीश सिंह ने की। कांग्रेस कार्यालय से निकली रैली शहर की सड़कों से होती हुई कलेक्ट्रेट पहुंची, जहां कार्यकताओं ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन में सिवनी जिला मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी हुई। कांग्रेसजनों ने साफ कहा कि अगर राजनीतिक द्वेष की यह कार्रवाई नहीं रोकी गई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

3 दिन तक तपेंगे एमपी के 19 जिले, अलर्ट जारी

भोपाल ■

मध्यप्रदेश में एक बार फिर तेज गर्मी का दौर शुरू हो गया है और मौसम शुष्क होने के साथ ही तापमान में बढ़ोतरी होने लगी है। रतलाम में अधिकतम तापमान 42 डिग्री के पार पहुंच गया है, वहीं चार महानगरों में इंदौर सबसे गर्म रहा, यहां भी अधिकतम तापमान 40 डिग्री को पार कर गया है। साथ ही धार में 41.2, खंडवा में 41.1, उज्जैन में 40.8, भोपाल में 39.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

लू चलने का अलर्ट जारी

पिछले तीन-चार दिनों से प्रदेश में बादल, बौछारों की स्थिति थी, इसके कारण तापमानों में थोड़ी नमी थी, लेकिन अब सिस्टम कमजोर पड़ने के साथ ही फिर तापमान में बढ़ोतरी होने लगी है। राजस्थान, गुजरात से फिर गर्म हवा आने लगी है। ऐसे में इन दिनों मालवा और निमाड़ क्षेत्रों में अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गए है। 19 जिलों में अब तेज गर्मी के साथ लू चलने का अलर्ट है।

आगे तापमान में हल्की बढ़ोतरी का दौर

मौसम विज्ञानी ने बताया, प्रदेश में जो सिस्टम बने थे, वह कमजोर हो गए हैं। इस समय हवा का रूख उत्तर पश्चिमी है। ऐसे में अगले तीन चार दिन तापमान में 2 से 3 डिग्री तक बढ़ोतरी का दौर जारी रहेगा।

पं. धीरेन्द्र शास्त्री ने रतलाम में 14 साल के गर्वित को मंच पर बुलाकर किया सम्मानित

रतलाम। मध्यप्रदेश के रतलाम में एक निजी कार्यक्रम में पहुंचे बागेश्वर धाम सरकार पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने दिव्य दरबार लगाया। दिव्य दरबार लगाने से पहले पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने रतलाम के ही रहने वाले 14 साल के किशोर गर्वित पाठक को खुद मंच पर बुलाया और अपना गमछा पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान गर्वित पाठक व पंडित धीरेन्द्र शास्त्री के बीच भगवान हनुमान से जुड़े मंत्रों को लेकर भी बातचीत हुई। रतलाम के रहने वाले गर्वित पाठक ने शहर के मेहंदीकुई बालाजी मंदिर में 20 दिन में सवा लाख जय सियाराम मंत्र का जप किया है। जब ये बात पंडित धीरेन्द्र शास्त्री को पता चली तो उन्होंने गर्वित को मंच पर बुलाकर अपना गमछा पहनाकर सम्मानित किया।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग खण्डवा संभाग खण्डवा
सिविल लाईन्स, हरसूद नाके के पास खण्डवा (म.प्र.)
web site : www.mp.gov.in/pwdmp E-mail: eepwdkhandwa@mp.nic.in Phone No. 0733-2222292

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 01/व.ले.लि./2025–2026/खण्डवा/दिनांक 15.04.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in **पर देख जा सकता है।**

सक्र	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र की राशि	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि एवं आंमत्रण
1	2	3	4	5	6	7
2025_PWDRB_415281	लोक निर्माण विभाग निमाड उपसंभाग खण्डवा के अंतर्गत व्ही.व्ही.आई.पी के आगमन हेतु हेलिपेड निर्माण कार्य हेलिपेड पहुंच मार्ग एवं अन्य निर्माण कार्य	रू 15.00 लाख	30000/-	2000/-	केन्द्रीयकृत पी.डब्ल्यू. डी. पंजीकरण	1) 12 माह वर्षाकाल सहित 2) प्रथम ।
2025_PWDRB_415282	लोक निर्माण विभाग खण्डवा उपसंभाग खण्डवा के अंतर्गत व्ही.व्ही.आई.पी के आगमन हेतु हेलिपेड निर्माण कार्य हेलिपेड पहुंच मार्ग एवं अन्य निर्माण कार्य	रू 19.80 लाख	39600/-	2000/-	केन्द्रीयकृत पी.डब्ल्यू. डी. पंजीकरण	1) 12 माह वर्षाकाल सहित 2) प्रथम ।
2025_PWDRB_415283	लोक निर्माण विभाग हरसूद उपसंभाग खण्डवा के अंतर्गत व्ही.व्ही.आई.पी के आगमन हेतु हेलिपेड निर्माण कार्य हेलिपेड पहुंच मार्ग एवं अन्य निर्माण कार्य	रू 15.00 लाख	30000/-	2000/-	केन्द्रीयकृत पी.डब्ल्यू. डी. पंजीकरण	1) 12 माह वर्षाकाल सहित 2) प्रथम ।
2025_PWDRB_415284	लोक निर्माण विभाग खण्डवा उपसंभाग खण्डवा के अंतर्गत ओंकारेश्वर मे व्ही.व्ही.आई.पी आगमन पर संधारण एवं अन्य कार्य	रू 19.80 लाख	39600/-	2000/-	केन्द्रीयकृत पी.डब्ल्यू. डी. पंजीकरण	1) 12 माह वर्षाकाल सहित 2) प्रथम ।
2025_PWDRB_415285	जिला चिकित्सालय खण्डवा परिसर स्थित शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवनो में ए.आर.एस.आर, एम.ओ.डब्ल्यू. एवं डिपॉजिट का कार्य।	रू 19.80 लाख	39600/-	2000/-	केन्द्रीयकृत पी.डब्ल्यू. डी. पंजीकरण	1) 12 माह वर्षाकाल सहित 2) प्रथम ।

1. उपरोक्त वेबसाईट पर ऑनलाईन पेमेंट करने के पश्चात बिड डॉक्यूमेंट क्रय किया जा सकता है।
2. ऑनलाईन बिड प्रस्तुत करते समय बिड प्रस्तुतकर्ता को निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करना आवश्यक है।
   1. बिड डॉक्यूमेंट की खरीदी का प्रमाण, 2. अरनेंस्ट मनी जमा करने का प्रमाण, 3. चेक लिस्ट, 4. एफिडेविट
   विस्तृत जानकारी बिड डाटा शीट में देखी जा सकती है।
3. निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय करने की तिथि दिनांक 18.04.2025 सुबह 10:00 से दिनांक 26.04.2025 सांय 18:00 बजे तक निर्धारित है।
4. इलेक्ट्रानिक ई.एम.डी. (RTGS & NEFT) द्वारा ही स्वीकार की जावेगी ।
5. विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी उक्त वेबाईट पर देखी जा सकती है।
6. निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन पेपर पब्लिकेशन में नहीं किया जाकर सिर्फ वेबसाईट पर ही किया जावेगा, ।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग
खण्डवा संभाग खण्डवा

G-11633/25

■ दो पहिया वाहन पर तीन सवारी ना बैठाएं सतर्क रहें, सुरक्षित रहें।
■ देर से घर आए लेकिन दुरुस्त आए, धीरे चले सुरक्षित चले।

प्रदेश का सबसे लंबा डिजिटल अरेस्ट, 26 दिन तक ठगों के चंगुल में रहे स्वामी सुप्रदिप्तानंद, 2.5 करोड़ गंवाए

ग्वालियर ■

मध्य प्रदेश में अब तक के सबसे लंबे चले डिजिटल अरेस्ट का मामला सामने आया है। ग्वालियर जिले के रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव स्वामी सुप्रदिप्तानंद को 26 दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर 2.52 करोड़ रुपए की ठगी की गई। अब स्वामी ने इसकी शिकायत साइबर क्राइम शाखा में दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात ठगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दरअसल, ग्वालियर जिले के थाटीपुर स्थित रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव स्वामी सुप्रदिप्तानंद को वीडियो कॉल के माध्यम से 26 दिन तक डिजिटल अरेस्ट किया गया। इस दौरान उनके साथ 2.52 करोड़ की ठगी की गई। शातिर ठगों ने खुद को नासिक पुलिस का अफसर बताकर कॉल किया और स्वामी को नरेश गोयल मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसा हुआ बताया। 17 मार्च को आई पहली कॉल के साथ ठगी की शुरूआत हुई,

जिसके बाद 26 दिन तक स्वामी सुप्रदिप्तानंद को डिजिटल अरेस्ट कर देशभर के अलग-अलग बैंक खातों में 2.52 करोड़ रुपये ट्रांसफर कराए गए। ठगो ने स्वामी सुप्रदिप्तानंद को झांसा दिया कि 15 अप्रैल तक यह राशि वापस कर दी जाएगी। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ। इसके बाद 16 अप्रैल को स्वामी सुप्रदिप्तानंद ने ग्वालियर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह से शिकायत की। इसके बाद साइबर क्राइम ब्रांच में केस दर्ज किया गया।

पुलिस ने शुरू की जांच

साइबर क्राइम ब्रांच की टीम ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जिन खातों में रुपये ट्रांसफर किए गए हैं, उनकी जनकारी खंगाली जा रही है। इस मामले को मध्यप्रदेश का अब तक का सबसे लंबा डिजिटल अरेस्ट माना जा रहा है। बता दें कि मप्र में साइबर फ्रॉड और डिजिटल अरेस्ट के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। सरकार इसे लेकर जागरूकता फैला रही है, इसके बाद भी लोग लगातार इसका शिकार हो रहे हैं। 26 दिन तक चले इस डिजिटल अरेस्ट के मामले ने एक बार फिर सभी को हैरान कर दिया गया।

किसान की समस्या जाने बिना नरवाई के लिये रोकना उचित नहीं

देश के बिगड़ते पर्यावरण के लिए खेतों में जलाए जाने वाली नरवाई को जिम्मेदार ठहराया जाता रहा है। सरकार का भी मानना रहा है कि नरवाई जलाने से जो प्रदूषण फैलता है वह बीमारी को न्योता देता है । अनेक पर्यावरण विशेषज्ञों ने भी इस बात की सिफारिश की है कि नरवाई जलाए जाने को रोका जाना चाहिए। लंबे अरसे से नरवाई जलाने पर रोक की मांग को देखते हुए सरकार ने कानून बना दिया है की नरवाई जलाना दंडनीय अपराध है ?। इसको लेकर मध्य प्रदेश के मालवा निमाड़ अंचल में और देश के कई राज्यों में किसानों को आर्थिक रूप से दंडित भी किया गया है ,लेकिन फिर भी नरवाई जलाने का सिलसिला थमा नहीं है । आज भी मध्य प्रदेश हो, राजस्थान हो या उत्तर प्रदेश यह देश का अन्य कोई हिस्सा जहां-जहां गेंहू का उत्पादन होता है वहां के खेतों में नरवाई जलाने का सिलसिला आज भी चल रहा है । आज भी यदि आप कहीं सड़क मार्ग से या रेल मार्ग से जाते हैं तो नरवाई का उठता धुंआ चारों और दिखाई दे जाती है। किसानों का कहना है कि उनके पास गेहूं कटाई के बाद खेत को फिर से बौनी लायक बनाने के लिए नरवाई जलाना एकमात्र रास्ता है, इसके अलावा खेत को फिर से बौनी लायक नहीं बनाया जा सकता है । इसीलिए चाहे कानून बना दे या दंडनीय अपराध, नरवाई जलाने का सिलसिला थमेगा नहीं ।

रामस्वरूप मंत्री
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

सरकार और पर्यावरण विद् यदि नरवाई को जलाने से रोकना चाहते हैं तो उन्हें कुछ ऐसे उपाय करना होंगे, जिससे किसान नरवाई को अन्य तरीके से नष्ट कर सके। नरवाई को आग के हवाले कर देने से केवल एक दिन में खेत खाली हो जाता है ,जबकि यदि उसे पलाऊ करके हटाया जाए तो समय भी ज्यादा लगता है और खर्च भी । किसानों के लिए यही सबसे बड़ी समस्या है । हालांकि कई विशेषज्ञों ने नरवाई के अन्य उपयोग सुझाये हैं लेकिन उसके प्रशिक्षण के लिए कोई व्यवस्था सरकार द्वारा नहीं की गई है। किसानों के बीच नरवाई जलाना एक प्रथा सी बन गई है। किसान को मालूम रहता है कि वह नरवाई जलाकर वातावरण को प्रदूषित कर रहा है फिर भी वह अपने निजी सुविधा के लिये इसको नहीं छोड़ रहा है। अधिकांश किसान खेत में फसल के अवशेषों को नहीं जलाते और वह जुताई कर इन्हें भूमि में ही मिलाना पसंद करते हैं कुछ अध्ययनों से ज्ञात हुआ है कि मात्र 5 प्रतिशत किसान ही फसलों के अवशेष भूसे को जलाकर इसका प्रबंधन करते हैं ताकि अगली फसल की जुताई व बुआई में कोई अड़चन न आये। भूसा जलाकर उसका प्रबंधन करना सबसे सस्ता उपाय है। खेत में भूसा रहने की स्थिति में जुताई कर उसे मिट्टी में मिलाना एक कठिनाई भरा महंगा कार्य है। कटाई के लिए कम्बाईन के उपयोग बढ? के बाद यह समस्या और बढ़ती चली जा रही है। इस कारण किसान भूसे को जुताई कर मिट्टी में मिलाने से बचना चाहते हैं और नरवाई का सहारा लेते हैं। मध्यप्रदेश का किसान खरीफ की प्रमुख फसल की बुआई प्रथम वर्षा के तुरंत बाद ही करना चाहता है ताकि उसे सोयाबीन का उत्पादन अच्छा मिले। इसके लिये वह गर्मी में ही अपने खेत तैयार करना चाहता है। खेत में गेहूं के अधिक अवशेष होने की स्थिति में यह सम्भव नहीं हो पाता। इसके लिए वह सरल उपाय नरवाई का सहारा लेता है यह स्थिति उन क्षेत्रों में अधिक रहती है। जहां की मिट्टी अधिक

चिकनी रहती है। इस प्रकार की भूमि में जल भराव तथा भूमि के ठोसपन की समस्या उत्पन्न हो जाती है। इसके कारण किसान नरवाई को एकमात्र विकल्प मानता है गेहूं की अधिक उपज लेने वाले क्षेत्रों एवं खेतों में भूसे का उत्पादन भी अधिक होता है ऐसी स्थिति में भूसे को जुताई द्वारा भूमि में समायोजित करना एक कठिन कार्य हो जाता है जो किसान को नरवाई के लिये प्रेरित करता है। धार के उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने बताया कि जिले में गेहूं फसल की कटाई हॉर्वेस्टर से करने के बाद कुछ किसान भाई फसल अवशेष (नरवाई) में आग लगाकर खेत की सफाई करते हैं। नरवाई जलाने से वायु प्रदूषण के साथ-साथ मिट्टी में मौजूद सूक्ष्म जीव केचुआ आदि मर जाते हैं और भूमि कठोर हो जाती है, जिससे खेत की तैयारी में अधिक ऊर्जा एवं समय लगता है । साथ ही मृदा का कार्बनिक पदार्थ भी नष्ट हो जाता है। जिससे खेत की उपजाऊ क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। जिससे दिनोंदिन उत्पादकता कम होती जा रही है। नरवाई जलाने से पशुओं का चारा (भूसा) भी जलकर नष्ट हो जाता है। जिससे नरवाई जलाना किसानों के लिए एक आत्मघाती कदम है। सरकार का कहना है कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में कृषि विभाग के अमले द्वारा नरवाई प्रबंधन की जानकारी कृषक संगोष्ठियों के माध्यम से दी जा रही है। मैदानी अमले द्वारा कृषकों को नरवाई न जलाने की सलाह दी जा रही है। विकासखंड स्तर पर कृषि, राजस्व तथा पंचायत विभाग के साथ समन्वय कर कृषकों से संवाद कर नरवाई जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में बताया जा रहा है। साथ साथ विगत सप्ताह से कृषि अभियांत्रिकी विभाग द्वारा नरवाई प्रबंधन हेतु जागरूकता रथ के माध्यम से विकास खण्ड स्तर पर नरवाई नही जलाने हेतु प्रचार प्रसार किया जा रहा है। जागरुकता रथ के माध्यम से कृषकों को स्ट्रॉरीपर (भूसामशीन) से भूसा बनाना, मल्चर मशीन और जिले मे उपयोग हो रहे जुगाड्डु यंत्र पाटा द्वारा फसल अवशेषों को बारिक काटकर खेत में मिलाकर जैविक खाद बनाना, रुपर सीडर से बिना नरवाई में आग लगाये सीधे तीसरी फसल मूंग की बुआई करना, स्ट्रॉरीपर के बाद रोटावेटर या गहरी जुताई करना आदि के बारें में कृषको को जानकारी दी जा रही है।किसानो द्वारा लगातार नरवाई जलाने की घटनाए परिलक्षित हो रही है, सेटेलाईट से प्राप्त डेटा अनुसार तहसीलवार एवं ग्रामवार प्रतिदिन नरवाई जलाने संबंधित आंकडे प्रदर्शित हो रहे है। नरवाई जलाने संबंधित घटनाओ को नियंत्रण हेतु कृषको के विरूद्ध राजस्व एवं कृषि विभाग के मैदानी अमले के अधिकारियो के माध्यम से पंचनामे तैयार किये जाकर नरवाई जलाने वाले कृषको के विरूद्ध अर्थ दण्ड की कार्यवाही की जा रही है। अनुभाग धार अन्तर्गत विकास खण्ड धार, तिरला, नालछा, सरदारपुर एवं बदनावर से लगभग 83 प्रकरण तैयार किये गये है। जिन पर तहसीलदार के माध्यम से नोटिस तैयार किये जा कर अर्थ दण्ड हेतु नोटिफिकेशन एवं कार्यवाही राजस्व विभाग द्वारा की जावेगी। नरवाई के लिए हर किसान की समस्या अपनी अलग रहती है। किसान की समस्या जाने बिना नरवाई के लिये रोकना उचित नहीं होगा। न ही नरवाई अपनाने वाले किसानों को आर्थिक रूप से दंडित करना इसका समाधान है। इसके लिये यह आवश्यक है कि नरवाई के लिये बाध्य किसानों की समस्या का अध्ययन किया जाये और हर किसान की समस्या के आधार पर उसके निराकरण के उपाय अपनाये जाये। अवशेषों को भूमि में मिलाने के लिये नये यंत्रों तथा नई तकनीक का भी विकास हो। उन किसानों का जो भूसे का प्रबंधन बिना नरवाई के सफलतापूर्वक कर रहे हैं उनके द्वारा अपनाये जाने वाली विधि भी अन्य किसानों को प्रेरणा दे सकती है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

संपूर्ण राष्ट्र एवं सनातन संस्कृति की अनमोल धरोहर तीन जैन संतों के साथ असामाजिक तत्वों ने किया प्राण घातक हमला

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। नीमच जिले की जावद तहसील के कछोला ग्राम में हनुमान मंदिर में रात्रि विश्राम के लिए विराजित संपूर्ण राष्ट्र एवं सनातन संस्कृति की अनमोल धरोहर तीन जैन संतों के साथ असामाजिक तत्वों ने प्राण घातक हमला कर उन्हें बुरी तरह घायल किया। जैन संतों पर हुए इस प्राण घातक हमले के विरोध में सेंधवा में भी एक शांतिपूर्ण वाहन रैली जैन मंदिर से प्रारंभ होकर झांकी मार्ग होते हुए सकल जैन संघ एवं वैश्य महासम्मेलन के सदस्यगण संतो पर अत्याचार नहीं सहेंगे नहीं सहेंगे जैसे नारों के साथ एसडीएम आफिस पहुंचे।

सकल जैन संघ एवं वैश्य महासम्मेलन तहसील सेंधवा द्वारा उन अपराधियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई करने एवं भविष्य में ऐसी घटनाए दौबारा ना हो इस हेतु व्यवस्था करने हेतु ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम सेंधवा को दिया गया। ज्ञापन में दिया गया कि यह कुकृत्य किसी भी देश या किसी भी समाज के लिए शोभनिय नहीं है। जो संत चकाचौंध का जीवन त्यागकर, संपूर्ण वैभव, विलास, सुख, सुविधा, भौतिक संसाधनों का परित्याग कर सिर्फ और सिर्फ स्वयं के और जन-जन के कल्याण के लिए संपूर्ण भारत वर्ष में पैदल विचरण करते हैं और जो अहिंसा के अवतार प्रभु महावीर के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं, ऐसे निर्लिप्त संतों पर हमला कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। ज्ञापन में मध्य प्रदेश शासन एवं स्थानीय प्रशासन का भी आभार व्यक्त किया गया जिन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए ऐसे घोर पापियों को तुरंत गिरफ्त में लिया। ज्ञापन में लिखा गया कि हम निवेदन करना चाहेंगे सनातन संस्कृति की रक्षा करने वाले श्रद्धेय मुख्यमंत्री महोदय से कि आपकी ओर से ऐसा प्रयास हो कि ऐसे दुष्कृत्य भविष्य में ना हो। ज्ञापन का वाचन करते हुए संघ संरक्षक बी.एल.जैन ने कहा कि ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री महोदय से अनुरोध किया कि जैन संत संपूर्ण राष्ट्र में पैदल ही विचरण करते हैं इनकी समुचित सुरक्षा एवं विश्राम व्यवस्था की जवाबदारी जैन समाज के साथ-साथ शासन की भी है इसलिए राज्य सरकार के अधीन सरकारी स्कूल एवं जो अन्य इमारतें हैं उन योग्य जगह पर जैन साधु साध्वीजी के विश्राम की अनुमति के लिए शासन स्तर से आदेश जारी करे एवं भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो ऐसी सुरक्षा व्यवस्था की जाये। उक्त अवसर पर वैश्य महासम्मेलन तहसील सेंधवा द्वारा भी मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम सेंधवा को ज्ञापन दिया इस अवसर पर वैश्य समाज के जिला संरक्षक राजेश गर्ग ने ऐसे घटना की निंदा करते हुए अपराधियो पर कठोर कार्यवाही की मांग करते हुए संत समाज की रक्षा के लिए शासन से निवेदन किया गया। ज्ञापन पश्चात एसडीएम ने आश्वस्त किया कि आप उचित माध्यम से शासन तक पहुंचा दिया जावेगा। इस अवसर पर स्थानकवासी जैन समाज के अध्यक्ष अशोक सखलेचा, जैन मुरतपुजक संघ के अध्यक्ष गिरिश लालका, दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष योगेश पाटनी, जैन शोश्यल ग्रुप के अध्यक्ष डा एम के जैन, दिपक लालका, नंदलाल बुरड, महावीर सुराणा, परेश सेठिया, तेजस शाह,? सुरेश बागरेचा, निलेश जैन, विजय जैन, डॉ अश्विन जैन, रोहित मोमाया, डॉ प्रतीक चोपड़ा, अभय नागड़ा सहित वैश्य महासम्मेलन तहसील सेंधवा अध्यक्ष मनीष मंडवोरा, मनोज कानुनगो, निलेश अग्रवाल, दिलीप मंगल, अंकित गोयल, पंकज गुप्ता, मनिष ठाकरे सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

5 लाख के हीरे की पोटली से निकले चावल, गांव में मचा हड़कंप

उज्जैन ■

रुपए देकर ले ली पोटली

एमपी के उज्जैन में कालियादेह गांव में रहने वाले दो ठगों ने परिचित युवक को झांसे में लिया और पांच लाख के हीरे बताकर 50 हजार रुपए ठग लिए। युवक ने जब घर जाकर पोटली खोली तो पता चला हीरे नहीं चावल थे। शिकायत पर चिमनगंज पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस दोनों आरोपियों से ऐसी और कितनी वारदातें की हैं इसके बारे में पता कर रही है।

ये है पूरा मामला

चिमनगंज पुलिस ने बताया सलमान पिता अनवर खान निवासी मोहन नगर गली नंबर 2 ड्राइवर है। वह सुबह 8.30 बजे घर से काम पर जाने के लिए निकला था। मोहन नगर चौराहा पर पूर्व से परिचित कालियादेह गांव के रहने वाले अब्दुल रज्जाक और आशिक खान मिले। दोनों ने पोटली में हीरे दिखा इनकी कीमत 5 लाख रुपए और कहा तुरंत बेचना है जो भी रकम मिलेगी दे देंगे। इसी बीच यह भी ऑफर दे दिया कि तू जो भी रकम देगा वह रख लेंगे। बाद में दोनों ने उसे मात्र 50 हजार रुपए में पांच लाख के हीरे देने का करार कर लिया। लालच में आए सलमान ने तुरंत पांच हजार जो दे दिए और बाकी के 45 हजार रुपए कुछ ही देर में देने को बोला। इस पर रज्जाक और आशिक ने उसे रुपए लेकर आरडी गार्डी के पास बुलाया। घर से रुपए लेने के बाद सलमान आरडी गार्डी पहुंचा और रुपए देकर पोटली ले ली। इसके बाद वह ऑटो में बैठ घर लौट आया। घर आते ही पोटली खोली तो पता चला कि चावल बंधे हैं। वह पोटली के साथ चिमनगंज थाने पहुंचा और शिकायत की। पुलिस ने रज्जाक और आशिक के खिलाफ धोखाधड़ी की धारा 318 (4) में केस दर्ज उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

कैश की थी जानकारी

देर रात को पुलिस ने रज्जाक और आशिक को पकड़ पूछताछ की तो पता चला कि दोनों को यह मालूम था कि सलमान के पास एक लाख रुपए करीब कैश है। इसी को हड़पने के लिए उन्होंने उसे ठगने का प्लान बनाया था।

भाजपा नेता के बेटे से विवाद के बाद दो पुलिसकर्मी निलंबित, एनएसयूआई ने किया कार्रवाई का विरोध

छिंदवाड़ा ■

छिंदवाड़ा भाजपा मंडल अध्यक्ष सौरभ ठाकुर के बेटे अंश ठाकुर और पुलिसकर्मियों के बीच हुए विवाद ने तूल पकड़ लिया है। मामले में दो पुलिसकर्मियों पर की गई कार्रवाई के विरोध में बुधवार को एनएसयूआई कार्यकताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। एनएसयूआई और कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि भाजपा के दबाव में पुलिस अधीक्षक अजय पांडे ने पुलिसकर्मियों को लाइन अटैच किया है, जबकि वे निर्दोष हैं।

कांग्रेस नेता अजय ठाकुर ने आरोप लगाया कि भाजपा मंडल अध्यक्ष का बेटा अंश ठाकुर सड़क पर खुलेआम ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन कर रहा था। पुलिसकर्मियों ने उसे रोका तो उसने उन पर ही मारपीट करने का झूठा आरोप लगा दिया। भाजपा के दबाव में पुलिस अधिक्षक ने पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई कर दी। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच कराई जाए ताकि निर्दोष पुलिसकर्मियों को न्याय मिल सके। एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि अगर, जल्द ही कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

शादी के एक सीजन में 15 लाख तक का होता है फूलों का कारोबार

सीधी ■

जिले में शादी-विवाह के सीजन में 12 से 15 लाख तक फूलों का कारोबार होता है। इसके अलावा हर मौसम में फूलों की मांग बनी रहती है, चाहे वह माला के रूप में हो, बुके के रूप में या पार्टी के आदि के आयोजन में। जिले में फूलों की खेती नहीं हो रही है। फूलों के व्यवसाय से जुड़े कारोबारियों को प्रयागराज, बनारस, नागपुर व कलकत्ता से फूल मंगाने पड़ते हैं। उद्यानिकी विभाग भी फूलों की खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित नहीं कर पा रहा है।

व्यापारियों की माने तो शादी के एक सामान्य सीजन में 50 हजार माला बिक जाते हैं। पिछले नवंबर माह के सीजन में करीब इतनी माला बिकी थी, जबकी अप्रेल, मई व जून माह में शादी के कई शुभ मुहूर्त हैं, जिसमें 75 हजार से अधिक माला बिकने की उम्मीद है। विवाह स्थल में सजावट, दूल्हे की कार सजावट में लगने वाले फूल व माला का कारोबार अलग से होगा।

व्यापार में रिस्क ज्यादा, इसलिए नहीं बढ़ रहे कारोबारी

फूलों के कारोबार की जिला मुख्यालय पर महज चार दुकानें हैं। इनको सुरक्षित रखना सबसे बड़ी चुनौती होती है, इसलिए रिस्क ज्यादा रहता है। मांग और मुनाफा होने के बावजूद जिले में कारोबारियों की संख्या नहीं बढ़ रही है। व्यापारी बताते हैं बाहर से फूल आने में रिस्क ज्यादा रहता है, इसलिए कारोबारी नहीं बढ़ रहे, यदि स्थानीय स्तर पर इनकी उपलब्धता होने लगे तो कारोबारियों की संख्या बढ़ेगी। वहीं ज्यादा मात्रा में उत्पादन होने पर बाहर भी भेजा जा सकता है, क्योंकि आस-पास के जिलों में भी फूलों की डिमांड बढ़ गई है।

फूलों की खेती जिले में हो तो मुनाफा ज्यादा मिले

जिले में शादी विवाह के सीजन के साथ ही अन्य सीजन में भी फूलों का अच्छा कारोबार रहता है। यहां प्रयागराज, बनारस, कलकत्ता व नागपुर से फूल व माला मंगाना पड़ता है। जिले में फूलों की खेती हो तो किसानों को काफी मुनाफा होगा।

राकेश चतुर्वेदी, कारोबारी

यहां मुख्य रूप से बनारस व प्रयागराज से ही फूल व माला आता है। कई बार तो वहां से उपलब्धता नहीं हो पाती। डिमांड बढ़ती जा रही है। किसान फूलों की खेती कर मुनाफा कमा सकते हैं, प्रशिक्षण प्राप्त आधुनिक विधि से खेती करनी होगी।

संतोष माली, कारोबारी

बेरहम बाप 10 साल के बेटे की आंखों में घुसाईं उंगलियां, हालत गंभीर

भिंड ■

मध्यप्रदेश के भिंड में एक बेरहम पिता ने अपने बेटे की आंखें फोड़ने की कोशिश की। मामूली सी बात पर पिता इस कदर गुस्साया कि पहले तो 10 साल के बेटे की बेरहमी से पिटाई की और फिर अपनी दोनों उंगलियां बेटे की आंखों में डालकर उसकी आंखें फोड़ने की कोशिश की। घायल हालत में मां बेटे को अस्पताल लेकर पहुंची थी जहां बच्चे की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे ग्वालियर रेफर कर दिया।

बेरहम पिता ने बेटे की आंखों में घुसाईं उंगलियां

घटना शहर के चतुर्वेदी नगर की है जहां रहने वाले दीपक श्रीवास नाम के शख्स ने मंगलवार की सुबह अपने 10 साल के बेटे के साथ क्रूरता की। बच्चे की मां के मुताबिक बेटा 5वीं क्लास में पढ़ता है। मंगलवार की सुबह पति दीपक किसी बात पर नाराज हो गया और बेटे को बेरहमी से पीटने लगा फिर उसने बच्चे की आंखें फोड़ने की कोशिश की और उसकी आंखों में अपनी दोनों उंगलियां डाल दीं। बच्चे के चेहरे पर मुक्के मारे जिससे बच्चा बेसुध हो गया।

बच्चे की हालत गंभीर, इलाज जारी

बेटे को जैसे ही मां ने बेसुध देखा तो वो तुरंत उसे भिंड अस्पताल लेकर पहुंची जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर होने पर उसे ग्वालियर रेफर कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार बच्चे की आंखों में गंभीर चोट आई है, जिससे उसे ठीक से दिखाई नहीं दे रहा है। गंभीर हालत में उसे ग्वालियर रेफर किया गया है। वहीं मां ने अपने पति के खिलाफ मारपीट की शिकायत दर्ज की है। बताया जा रहा है कि बच्चे का पिता दीपक श्रीवास मानसिक रूप से बीमार है।

सीएमएचओ का बड़ा एक्शन, फर्जी डॉक्टर वाले मिशन अस्पताल का लाइसेंस रद्द..

दमोह ■

मध्यप्रदेश के दमोह के मिशन अस्पताल का लाइसेंस रद्द कर दिया गया है। फर्जी डॉक्टर नरेन्द्र यादव का मामला सामने आने के बाद सीएमएचओ ने ये बड़ा एक्शन लिया है। साथ ही ये भी आदेश दिया है कि अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों को तीन दिन के अंदर जिला अस्पताल में शिफ्ट किया जाए। तीन दिन बाद मिशन अस्पताल को बंद कर दिया जाएगा।

मिशन अस्पताल का लाइसेंस रद्द

सीएमएचओ मुकेश जैन ने बताया कि मिशन अस्पताल को लाइसेंस रिन्यूअल के लिए आवश्यक दस्तावेज जमा करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया था। इसके बावजूद

अस्पताल प्रबंधन ने दस्तावेज जमा नहीं कराए हैं। अस्पताल में लैब टेक्नीशियन और कार्डियोलॉजिस्ट की नियुक्ति नहीं की गई थी। इन कमियों के चलते अस्पताल का लाइसेंस सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि हॉस्पिटल का रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन करा लिया गया है। बिगड़े हालातों में कार्यवाही की जा रही है अब सभी जानकारियां कोर्ट के सामने दी जाएंगी।

फर्जी डॉक्टर कर रहा था हार्ट सर्जरी

बता दें कि दमोह के मिशनरी अस्पताल में नरेंद्र यादव नाम का शख्स डॉ. एनजॉन कैम के नाम से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नौकरी कर रहा था। उसने जनवरी-फरवरी 2025 में 15 से ज्यादा हार्ट सर्जरी की, जिनमें से 8 मरीजों की मौत हो चुकी है। जिन मरीजों का ऑपरेशन किया था, उनमें से तीन की मौत एंजियोप्लास्टी के समय हुई थी। जांच में पता चला कि उसकी डिग्री और अनुभव पूरी तरह से फर्जी थे। फर्जी डॉक्टर पुलिस की गिरफ्त में है और उससे पुलिस पूछताछ कर रही है।

मुरैना में अस्पताल में भीषण आग लगी, एक मरीज की मौत

मुरैना ■

एमपी के मुरैना में जिला अस्पताल में भीषण आग लग गई। इससे वहां भगदड़ मच गई। कई मरीज और उनके परिजन वार्डों से बाहर भागे। बताया जा रहा है कि अस्पताल के सर्जिकल और बर्न वार्ड में आग लगी। मुरैना जिला अस्पताल में बुधवार शाम करीब 6 बजे यह हादसा हुआ।

अस्पताल के मेन ओटी के बाहर के रूम में आग लगी जोकि ओटी पैनल से सर्जिकल वार्ड तक जा पहुंची। आग की लपटें देख अस्पताल में अफरातफरी मच गई। मरीज अपनी ड्रिप खींचकर जान बचाने बाहर भागे। हादसे में एक मरीज की मौत हो गई। उनका ऑक्सीजन मास्क निकल गया जिससे मौत हो गई। बताया जा रहा है कि जिला हॉस्पिटल में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी है। जिला अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग के मुख्य ओटी में आग लगते ही सर्जिकल वार्ड के बाजू की गैलरी में धुआं फैल गया। वार्ड से सभी मरीजों को फौरन बाहर निकाला गया। आग लगते ही सभी अटेंडर मरीजों को लेकर बाहर भागे। अस्पताल के छोटे सिलेंडरों से आग बुझाई गई। दमकल लेट आई और अंदर तक नहीं पहुंच सकी। इससे पहले ही आग पर काबू पा लिया गया।

... ताकि अदालतों पर न बढ़े वैवाहिक मामलों का अनावश्यक बोझ !

भारत के उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना ने हाल ही में बेंगलुरु में एक आयोजन के दौरान वैवाहिक विवादों के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई है और यह बात कही है कि देशभर में वैवाहिक विवादों के बढ़ते मामले न्यायालयों पर अत्यधिक बोझ डाल रहे हैं। वास्तव में न्यायमूर्ति का कहना बिलकुल ठीक है कि आज के समय में हमारे देश में वैवाहिक विवाद बढ़ते ही चले जा रहे हैं। कहना गलत नहीं होगा कि वैवाहिक विवाद मामलों से जहां एक ओर देश के न्यायालयों पर अनावश्यक बोझ बढ़ता है वहीं दूसरी ओर इससे परिवार के बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। आज घरेलू हिंसा, दहेज, अत्याचार, गुजारा भत्ता को लेकर अनेक याचिकाएं न्यायालयों में लगतीं हैं। यह विडंबना ही है कि आज छोटी-छोटी बातों को लेकर याचिकाएं दायर की जातीं हैं। मामूली असहमति भी आज बड़े विवाद में बदल रहीं हैं। कहना गलत नहीं होगा कि आज भी हमारे देश में फैमिली कोर्ट की संख्या अपर्याप्त है और इन पर ज्यादा दबाव है।

सुनील कुमार महला
लेखक
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

दरअसल,विवादों की रोकथाम के लिए पूर्व-वाद निपटान और मध्यस्थता की जरूरत है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वर्ष 2022 में भी उच्चतम न्यायालय ने यह बात कही थी कि' देश में वैवाहिक विवादों से संबंधित मुकदमों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है और अब वैवाहिक संस्था के प्रति नाखुशी और कटुता ज्यादा नजर आ रही है।'गौरतलब है कि उस समय न्यायालय ने यह टिप्पणी की थी कि 'इसका नतीजा यह हो रहा है कि पति और उसके रिश्तेदारों के साथ अपना हिसाब चुकता करने के लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 498-ए जैसे प्रावधानों का इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है।' यहां पाठकों को बताता चलूं कि धारा 498-ए ससुराल में पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा स्त्री के उत्पीड़न से संबंधित अपराध के बारे में है और इसका अक्सर दुरूपयोग किया जाता है, जिस पर देश के सबसे बड़े न्यायालय द्वारा चिंता जताई गई थी। बहरहाल, उल्लेखनीय है कि न्यायमूर्ति नागरत्ना बेंगलौर में सुप्रीम कोर्ट की फैमिली कोर्ट्स कमेटी द्वारा आयोजित साउदर्न जोन रीजनल कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रही थीं, जिसका विषय था, 'फैमिली : द बेसिस ऑफ इंडियन सोसाइटी'। क्या यह गंभीर होने के साथ ही विडंबना नहीं है कि आज के समय में वैवाहिक विवाद इस स्तर पर पहुंच जा रहे हैं कि पति-पत्नी के बीच समझौते की कोई हल्की सी भी संभावनाएं नजर नहीं आतीं हैं। इससे बड़ी बात भला और क्या हो सकती है कि आज के समय में एक ही मामले में घरेलू हिंसा, गुजारा भत्ता जैसी याचिकाओं का अंबार लगता जाता है और इसका नतीजा छोटे-छोटे बच्चे भुगतते हैं। आखिर इसमें बच्चों का क्या दोष होता है जो पति-पत्नी के आपसी झगड़ों के बीच पिसते हैं ? न्यायमूर्ति का यह कहना था कि ' तलाक और वैवाहिक विवादों के निरंतर बढ़ते जाने के लिए स्त्रियों की आर्थिक स्वतंत्रता कतई जिम्मेदार नहीं है। आज शिक्षा का क्षेत्र हो या रोजगार का क्षेत्र हो, लड़कियों की इन दोनों तक पहुंच में तेजी से इजाफा हुआ है। समय के साथ महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता में भी तेजी से वृद्धि हुई है। बढ़ते हुए शहरीकरण, औधोगिकीकरण तथा पाश्चात्य संस्कृति के आगमन से आज भारतीय परिवारों का पारंपरिक ढांचा बहुत तेजी से बदल रहा है। न्यायमूर्ति के मुताबिक महिलाओं की यह सामाजिक-आर्थिक मुक्ति स्वागतयोग्य भी है और आज के समय में आवश्यक भी। यह अच्छी बात है कि आज के समय में शिक्षा व रोजगार तक बढ़ती पहुंच के कारण स्त्रियां लगातार सामाजिक-आर्थिक रूप से स्वतंत्र बन रही हैं। वास्तव में होना तो यह चाहिए कि इस बदलाव का स्वागत हो, पर यह दुखद है कि आज हमारा समाज इसे स्वीकार नहीं कर पा रहा है, जिससे देश में तलाक के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और इसका व्यापक असर हमारे समाज, देश और अदालतों पर पड़ रहा है। यहां यह लेखक कहना चाहता है कि आज भी हमारे देश में मुकदमों के हिसाब से पर्याप्त संख्या में जज भी नहीं हैं, जबकि अदालतों में पर्याप्त संख्या में जज होने चाहिए। यहां यह भी कहना गलत नहीं होगा कि देर से मिलने वाला न्याय भी अन्याय के समान ही होता है, इसलिए इस ओर भी ध्यान केंद्रित किए जाने की आवश्यकता है। वास्तव में होना तो यह चाहिए कि फास्ट ट्रैक अदालतों की स्थापना हो, और इस पर पूरी गंभीरता से काम करना होगा। सरकार को यह चाहिए कि वह देश में और अधिक पारिवारिक न्यायालयों की स्थापना करें। गौरतलब है कि पारिवारिक न्यायालय अधिनियम, 1984 के तहत, आबादी 10 लाख से ज्यादा वाले शहरों में पारिवारिक न्यायालय स्थापित किए जाते हैं।इन न्यायालयों में विवाह और पारिवारिक मामलों से जुड़े विवादों का निपटारा होता है।इन मामलों में भरण-पोषण, तलाक, संतान अभिरक्षा, दांपत्य जीवन के अधिकारों की बहाली, न्यायिक पृथककरण वगैरह शामिल हैं। अधिक पारिवारिक न्यायालय होंगे तो न्याय भी जल्द मिल सकेगा। बहरहाल , ऐसा भी नहीं है कि देश में फास्ट ट्रैक अदालतों की स्थापना नहीं हुई है। निर्भया कांड के बाद काफी फास्ट ट्रैक अदालतों की स्थापना हमारे देश में हुई है लेकिन आज अदालतों में छोटे-छोटे पारिवारिक मामले भी आने लगे हैं, जिससे अदालतों पर अनावश्यक बोझ बढ़ा है।यह बात भी बिल्कुल सही है कि आज के समय में हमारे देश की न्याय व्यवस्था में सुधार के कई प्रयास किए गए हैं। ऑनलाइन काम होने लगा है, जिसमें लोगों का श्रम और समय, दोनों बच रहा है।यह भी सच है कि आज ऑनलाइन प्रक्रिया होने से पारदर्शिता भी काफी हद तक बढ़ गई है, लेकिन फिर भी, लेट-लतीफी की समस्या बदस्तूर बनी हुई है, जो चिंतनीय है। आज मुकदमों का बोझ कम करने के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत की व्यवस्था की गई है, जहां हर तरह के मुकदमों के निस्तारण की व्यवस्था होती है, जो स्वागत योग्य कदम कहा जा सकता है।इतना ही नहीं,सरकार और संबंधित तंत्र की ओर से आज समय समय पर जन-जागरूकता बढ़ाने की दिशा में भी लगातार काम किया जा रहा है, ताकि लोग बेवजह की मुकदमेबाजी से बचें। वास्तव में इस तरह के प्रयास होने चाहिए कि अदालतों से त्वरित न्याय का आम लोगों का सपना पूरा हो सके और इसके लिए किसी कानून में संशोधन की भी जरूरत महसूस होती है, तो केंद्र सरकार को इस दिशा में तत्परता दिखानी चाहिए और जल्द से जल्द संशोधन करना चाहिए,तभी जरूरतमंदों को समय पर न्याय मिल सकेगा। छोटे छोटे पारिवारिक मामलों को गांव शहर स्तर पर भी आसानी से विभिन्न पारिवारिक संगठनों, संस्थाओं द्वारा निपटाया जा सकता है। वास्तव में सच तो यह है कि छोटे छोटे पारिवारिक मामलों को निपटाने के लिए, आपसी बातचीत, मध्यस्थता, या काउंसलिंग की मदद ली जा सकती है। आपसी समझाइश से परिवारों को जोड़ा जा सकता है और विवादों को खत्म किया जा सकता है।फैमिली रिलेशनशिप एडवाइस लाइन से भी संपर्क स्थापित किया जा सकता है। इतना ही नहीं, आज जरूरत इस बात की भी है कि महिलाओं के इस रूपांतरण(सामाजिक-आर्थिक स्वतंत्रता)को भी हमारे समाज द्वारा प्रोत्साहित किये जाने की आवश्यकता महत्ती है। बेंगलुरु में न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना ने यह बात कही है कि ' महिलाएं सिर्फ अपने परिवारों के लिए नहीं कमा रहीं, बल्कि राष्ट्र के लिए भी योगदान कर रही हैं, लेकिन हमारा समाज इस बदलाव को स्वीकारने के लिए तैयार नहीं है। वास्तव में हमारे दृष्टिकोण और व्यवहार समय के अनुरूप अद्यतन नहीं हो रहे हैं और ऐसे में, पारिवारिक विवाद बढ़ रहे हैं। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि इस संबंध में आंकड़ा पेश करते हुए उन्होंने यह बात कही है कि 'बीते दशक में लगभग 40 प्रतिशत शादियां तलाक के कारण प्रभावित हुई हैं।' न्यायमूर्ति के मुताबिक आज भारतीय परिवारों तथा समाजों को अपना रवैया और व्यवहार बदलने की आवश्यकता है। उन्होंने यहां तक कहा है कि ' परिवार अदालतों में दोनों पक्षों की मुलाकात के दौरान वकील की मौजूदगी मशीनी नहीं होनी चाहिए, इसके विपरीत माहौल ऐसा होना चाहिए, जिससे दोनों पक्ष अच्छी तरह बातचीत कर सकें।' इतना ही नहीं उनका यह भी कहना था कि- ' यदि दोनों विवादित पक्ष एक दूसरे को समझें, एक दूसरे का सम्मान करें तथा खुद आत्मनिरीक्षण करें, तो तलाकों के मामलों में निश्चित तौर पर कमी आ सकती है।' यदि हम इन सभी बातों पर समय रहते ध्यान दे पाए तो कोई दोराय नहीं कि हम एक खुशहाल व समृद्ध भारत की ओर अग्रसर न हो पाएं।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

ज़िंदगी मंच पर थी, मौत ने पर्दा गिरा दिया!

हर दिन के उजाले में हम जीवन का उत्सव मनाते हैं, पर हमें यह अहसास तक नहीं कि मृत्यु अब हमारी परछाई से भी तेज़ रफ्तार से हमारे करीब आ रही है। महाराष्ट्र के धाराशिव में मंच पर अचानक गिरी वर्षा खरात की मौत कोई अकेली घटना नहीं है, यह उस अदृश्य महामारी की गूंज है जो कोविड के बाद हमारे समाज में मौन पांव पसार रही है। सड़कों पर चलते, खेलते, नाचते, बोलते – हम ज़िन्दगी के सामान्य क्षणों को जीते हुए जैसे मौत से एक अनदेखा समझौता कर बैठे हैं। विडंबना यह है कि एक असामान्य परिस्थिति को भी हम सामान्य मानने लगे हैं। कोरोना वायरस ने केवल शरीर पर वार नहीं किया, उसने समाज की मानसिकता और सरकार की प्राथमिकताओं पर भी गहरा घाव किया है। कोरोना के बाद की यह अचानक गिरने, धड़कन थम जाने वाली घटनाएँ वास्तव में पोस्ट कोविड सिंड्रोम का विकराल चेहरा हैं। मेडिकल साइंस के अनुसार, कोविड के संक्रमण ने शरीर के अंदर सूक्ष्म रक्त वाहिनियों में थक्के बनाने की प्रवृत्ति को बढ़ा दिया। यह स्थिति कई बार बिना किसी पूर्व लक्षण के जानलेवा साबित हो रही है। हार्ट अटैक, कार्डियक अरेस्ट, माइक्रोथ्रोम्बस, ब्रेन स्ट्रोक – ये सब एकदम से हमला कर रहे हैं और अक्सर इतने तेज़ी से कि चिकित्सा सहायता भी समय पर नहीं पहुंच पा रही।

सोनम लववंशी
लेखिका

भारत में कोविड के बाद कार्डियक मौतों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के आंकड़े बताते हैं कि २०२० से २०२४ के बीच अचानक कार्डियक अरेस्ट के मामलों में २८ प्रतिशत तक इज़ाफा हुआ है। ३० वर्ष से कम उम्र के युवाओं में यह वृद्धि 15 प्रतिशत के करीब है। लेकिन यह आंकड़े अखबार के किसी कोने में दबे रह जाते हैं, उन पर न तो नीतिगत बहस होती है, न ही कोई राष्ट्रीय आपात चेतावनी जारी होती है। आखिर क्यों? हकीकत यह है कि सरकार और प्रशासन महामारी के बाद इस स्वास्थ्य आपातकाल को लेकर उतने सतर्क नहीं हैं, जितनी गंभीरता की आवश्यकता है। सार्वजनिक स्थलों पर इमरजेंसी मेडिकल सुविधाओं का अभाव, प्रशिक्षित मेडिकल स्टाफ की कमी, और तत्काल जीवनरक्षक उपकरणों स्वचालित बाह्य डिफिब्रिलेटर (एईडी मशीनों) की अनुपलब्धता हमारी व्यवस्था की ढुलमुल मानसिकता का प्रमाण हैं। किसी समारोह, कॉलेज फंक्शन या सार्वजनिक कार्यक्रम में सुरक्षा का मतलब केवल भगदड़ रोकने तक सीमित कर दिया गया है, स्वास्थ्य संबंधी आकस्मिकताओं के लिए तैयारियां अब भी हास्यास्पद रूप से अपर्याप्त हैं, और समस्या केवल चिकित्सा व्यवस्था तक सीमित नहीं है। हमारे समाज की सामूहिक चेतना पर भी प्रश्नचिन्ह है। महामारी के बाद लोग जैसे स्वास्थ्य को लेकर उदासीन हो गए हैं। अनियंत्रित खानपान, बढ़ता मानसिक तनाव, जीवनशैली में असंतुलन शरीर को अंदर से खोखला कर रहे हैं। अफसोस यह है कि स्वास्थ्य जांच, जो जीवन रक्षक सिद्ध हो सकती है, उसे हम आज भी या तो अनावश्यक खर्च समझते हैं या टालते रहते हैं। मीडिया, जो समाज का चौथा स्तंभ कहलाता है, वह भी इन खबरों को मात्र सनसनी बनाकर छोड़ देता है। वीडियो वायरल होते हैं, चंद घंटों तक चर्चा होती है, फिर सबकुछ भुला दिया जाता है। सवाल यह है कि क्या हमारी संवेदना इतनी कमजोर हो गई है कि एक युवा लड़की का मंच पर गिरकर मर जाना भी केवल एक वायरल क्लिप बन कर रह जाए? ऐसे में समय आ गया है कि हम सामूहिक जागरूकता का अभियान छेड़ें। सरकार को चाहिए कि वह कोविड पश्चात स्वास्थ्य प्रभावों पर राष्ट्रीय स्तर पर शोध प्रकल्प आरंभ करे और उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक करे। स्कूलों, कॉलेजों, दफ्तरों, और सार्वजनिक स्थलों पर इमरजेंसी मेडिकल किट और प्रशिक्षित कर्मियों की अनिवार्यता हो। हर व्यक्ति के लिए वार्षिक स्वास्थ्य जांच को प्राथमिकता दी जाए, खासकर हृदय और रक्त प्रवाह से जुड़ी बीमारियों की जांच। यह केवल एक स्वास्थ्य का मामला नहीं है, यह समाज की नैतिक जिम्मेदारी भी है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हम एक ऐसी साइलेंट महामारी के बीच जी रहे हैं, जिसे अगर हमने गंभीरता से नहीं लिया, तो हर दिन किसी मंच से, किसी सड़क पर, किसी दफ्तर में – जीवन का यह दीपक यूं ही बुझता रहेगा। मौत अब अप्रत्याशित नहीं रही, वह हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रही है। फर्क बस इतना है कि हम उसकी आहट को सुनना चाहें या अनसुना कर दें। यह चुनाव हमारा है, लेकिन याद रखिए – यह चूक केवल हमारी नहीं, पूरे समाज की कीमत पर भारी पड़ेगी।

तमिलनाडु में भाजपा परचम फहराने को तत्पर...

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

– ललित गर्ग – | लेखक

आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में परंपरागत रूप से भारतीय जनता पार्टी कमजोर रही है, लेकिन अब भाजपा दक्षिण में अपनी जड़ों को न केवल मजबूत करना चाहती है बल्कि दक्षिण के राज्यों में सत्ता पर काबिज भी होना चाहती है। तमिलनाडु में अगले वर्ष अप्रैल-2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। भाजपा और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) ने 2026 के विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ने की घोषणा कर दी है। शुक्रवार को अपनी महत्वपूर्ण चैन्नई यात्रा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस अहम राजनीतिक गठबंधन का ऐलान करते हुए स्पष्ट किया कि राज्य में एनडीए एडप्पादी के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही गठबंधन का चेहरा होंगे। तमिलनाडु की भाजपा में भी एक बड़ा बदलाव सामने आया है और भाजपा की तमिलनाडु इकाई की कमान नैनार नागेंद्रन को मिल गई है। भाजपा की राजनीतिक यात्रा में 2026 का तमिलनाडु चुनाव मील का पत्थर साबित होगा, वर्षों की प्यास को बुझायेगा, कमल खिलायेगा। यह बात तो जगजाहिर है कि दक्षिण में हिन्दू मन्दिरों एवं संस्कृति का वर्चस्व होते हुए भी भाजपा अब तक अपनी जमीन मजबूत नहीं कर पाई है, जबकि केरल हो, कर्नाटक हो, आंध्र प्रदेश या तमिलनाडु हो, भाजपा अपनी जड़ों को सुदृढ़ करने की जद्दोजहद करती रही है। भाजपा के प्रयास दक्षिण में बेअसर ही रहे हो, ऐसी बात भी नहीं है, समय-समय पर उसके प्रयास रंग लाते रहे हैं। दक्षिण के चार में से तीन राज्यों में भाजपा अपना प्रभाव और प्रभुत्व दिखा चुकी है। कर्नाटक में कई बार भाजपा सत्ता आसीन हो चुकी है, आंध्र प्रदेश में इस समय सत्ता की भागीदार है, तेलंगाना में भी भाजपा मजबूत पकड़ बना चुकी है, केवल तमिलनाडु ही है जहां भाजपा कई दशकों से उपस्थिति दर्ज कराने के बावजूद सत्ता तक नहीं पहुंच पायी है। मोदी के प्रभाव और भाजपा के विशाल संसाधनों के बावजूद तमिलनाडु जीतना उसके लिए मुश्किल रहा है। पिछले 78 सालों में यहां कभी भी भाजपा-संघ की राष्ट्रवादी विचारधारा या हिंदुत्व के उनके संस्करण को स्वीकार नहीं किया है। यह सिर्फ भाजपा के लिए ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी एक बड़ी वैचारिक लड़ाई है। लेकिन इस बार भाजपा की रणनीति एवं तैयारियों एवं मोदी-शाह के संकल्पों एवं इरादों में दम है, तमिलनाडु में आमूल-चूल परिवर्तन होता हुआ दिख रहा है। तमिलनाडु में भाजपा की राजनीतिक रणनीति में किये गये बदलाव एवं रणनीतियां एक बड़ा मोड़ है, एक नया उजाला है। राजनीति के चाणक्य अमित शाह का यह भरोसा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में एनडीए भारी बहुमत से जीत दर्ज करेगा और राज्य में सरकार बनाएगा, कोरी हवा में उछाली गयी बात नहीं है।

एआईएडीएमके और भाजपा के बीच गठबंधन 1998 से बनते-बिगड़ते रहे हैं। 1998 की अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार बनाने और फिर 13 महीने बाद उसे गिराने का श्रेय भी एआईएडीएमके को जाता है। जे. जयललिता का जब तक जीवनकाल रहा तब तक भाजपा नेतृत्व के साथ एआईएडीएमके की नजदीकियां बनी रही। जब 1999 में जयललिता ने कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया तो करुणानिधि ने डीएमके को भाजपा के साथ जोड़ लिया और 2004 तक सत्ता का सुख लेते रहे। 2004 के आम चुनाव में फिर से एआईडीएमके भाजपा के साथ आई लेकिन तमिलनाडु में लोकसभा की सीटें नहीं जीत सकी। लेकिन मोदी-शाह की नजरें हमेशा इस राज्य पर लगी रही। क्योंकि सामरिक रूप से तमिलनाडु एक संवेदनशील राज्य है, श्रीलंका के साथ उसका सीधा जुड़ाव है। चीन श्रीलंका के माध्यम से भारत में पैठ बनाना चाहता है, ऐसे में तमिलनाडु में केंद्र की आंख बंद कर विरोध करने वाली पार्टी का सत्तासीन रहना देश हित के लिए गंभीर सवाल पैदा करता है, अनेक संकटों का कारण बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष अपने तीसरे कार्यकाल की बड़ी चुनौतियों में बंगाल, तमिलनाडु, केरल को जीतना है। वैसे इन राज्यों में भाजपा की जीत एक करिश्मा ही होगा, लेकिन मोदी-शाह ऐसे आश्चर्यकारी करिश्में घटित करते रहे हैं। सर्वविदित है कि भाजपा के लिए तमिलनाडु केवल राजनीतिक संघर्ष का मैदान नहीं है, वैचारिक लड़ाई भी लड़ी जानी है। स्टालिन सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति को विवादित करने और त्रिभाषा सिद्धांत को हिंदी थोपने की कोशिश के रूप में प्रचारित करने से केंद्र आहत है, इसीलिये भाजपा अपने राजनीतिक सिद्धांतों, योजनाओं, कार्यक्रमों एवं नीतियों को गंभीर चुनौती दे रहे इन नेताओं और दलों को वैचारिक धरातल पर परास्त करने का रास्ता भी खोज रही है। प्रधानमंत्री मोदी अपनी यात्राओं एवं अन्य चचाओं में यह बताते रहे हैं कि पूरे तमिलनाडु की जनता एवं राज्य उनके दिल में हैं, वे उसके कल्याण एवं विकास के लिये तत्पर है। तमिल लोगों के दिलों को जीतने का काम अकेले भाजपा के द्वारा संभव नहीं है, इसीलिये एआईडीएमके की बैशाखियां उसके लिये जरूरी है। भाजपा के राजनीतिक समीकरणों की सार्थक निष्पत्ति का एक हिस्सा है एआईडीएमके और भाजपा के ताजा गठबंधन की घोषणा। इस गठबंधन को सहज बनाने और पार्टी के अनुरूप इसका स्वरूप देने का श्रेय गृहमंत्री अमित शाह को जाता है, क्योंकि इस बार यह काम उतना आसान नहीं था। शाह एक कद्दावर नेता होने के साथ राजनीतिक गणित को समझने में माहिर है। अमित शाह जमीनी हकीकत से हमेशा वाकिफ रहते हैं। उनके पास तमिलनाडु को लेकर साफ तस्वीरें हैं, सुस्पष्ट एजेंडा है। वह एआईडीएमके के साथ अभी से उदार एवं लचीली सोच से चलना चाहते हैं लेकिन उन्हें अपना लक्ष्य पता है। डीएमके एवं स्टालिन का अहंकार ही उनका मुख्य हथियार होगा। विकास के लिये सत्ता परिवर्तन जनता के लिए यदि जरूरी है तो उसे हासिल करने का तरीका भला अमित शाह से ज्यादा कौन जानता होगा। तमिल में भाजपा के पांव जमते हुए दिख रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है भाजपा की सोच में बदलाव आना, तमिलों की बारीकियों एवं भावनाओं को समझते हुए राजनीतिक दांव चलना। भाजपा के पास द्रविड़ समाज को आकार देने का भले ही संस्थागत इतिहास नहीं है, लेकिन राज्य के विकास में उसने गहरे.संसाधन लगाये हैं। वह एक नया वोट-आधार तैयार कर रही है। लोकसभा चुनाव से पहले मोदी ने काशी और तमिलनाडु के बीच विभेद को खत्म करने की कोशिश की। धार्मिक राजत्व का तमिल प्रतीक सेंगोल संसद में स्थापित किया गया। ऐसे अनेक सकारात्मक प्रयास भाजपा के द्वारा लगातार किये जा रहे हैं। त्रिभाषा फामूर्ला भी तमिल लोगों को भाषा के नाम पर जोड़े रखने का एक उपक्रम है। मोदी और शाह दोनों ने तमिल भाषा के प्रति पार्टी के सम्मान को परिभाषित किया। पिछले दशक का एक बड़ा राष्ट्रीय घटनाक्रम यह रहा है कि भाजपा ने चुपचाप अपने नारे हिंदी, हिंदू और हिंदुस्तान में सुधार किया है। अब वे ह्यहिंदी और सभी क्षेत्रीय भाषाओंह्ण की बात करते हैं। इन सबके चलते यदि तमिल के जातीय-मतदाता भाजपा को उसके मौजूदा स्वरूप में स्वीकार करेंगे, तब यह भारतीय सेकुलर राजनीति की एक क्रांतिकारी घटना होगी। शाह की रणनीति सही दिशा में काम कर रही है। बावजूद यह डगर चुनौतीपूर्ण है। क्योंकि डीएमके दुबारा सत्ता में आने के लिए जो नुस्खा तैयार कर रही है उसमें तमिल स्वाभिमान और भाषा विवाद का घोल मिलाया जा रहा है। स्टालिन और उनका पूरा परिवार इस समय घोर भ्रष्टाचार और गैर कानूनी कामों में लिप्त है लेकिन उन्होंने हिंदी विरोध, दक्षिण के साथ केन्द्र का कथित सौतेला व्यवहार और मनमाने परिसीमन जैसे मुद्दों को आगामी चुनाव का एजेंडा बनाया है। इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तमिलनाडु यात्रा में जानबूझ कर मुख्यमंत्री स्टालिन गायब हो गए, जबकि यह एक सामान्य शिष्टाचार होता है कि प्रधानमंत्री प्रांत में आये तो मुख्यमंत्री उनका स्वागत करें। लेकिन ऐसा न करके स्टालिन ने यह जताया कि डीएमके भाजपा विरोध के साथ-साथ केंद्र से टकराव की राजनीति पर है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

भाजपा के पोस्टरों के पोस्टर बॉय हैं दिग्विजय

कोई माने या न माने लेकिन मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह भाजपा के लिए आज भी हौवा बने हुए हैं। वक्फ (संशोधन) विधेयक का राज्यसभा में विरोध करने पर कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह को गद्दार बताने वाले पोस्टर प्रदेश के अनेक शहरों में लगे हुए हैं लेकिन इससे न दिग्विजय सिंह विचलित हैं और न उन्होंने अपना रुख बदला है,उलटे वे भाजपा पर और आक्रामक हो उठे हैं। उन्होंने पलटवार करते हुए भाजपा की जन्मकुंडली खोलना शुरू कर दी है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह 78 साल के हो गए हैं और पिछले 54 साल से कांग्रेस के साथ काम कर रहे है। उनके साथ और बाद में आये तमाम राजे-महाराजे और खुद उनके भाई इस बीच कांग्रेस छोड़कर भाजपा में चले गए लेकिन दिग्विजय सिंह आज भी राजनीति की क्रीज पर हैं क्रीज पर हैं। 2003 में कांग्रस के सत्ताच्युत होने के बाद उन्होंने पूरे एक दशक तक कोई चुनाव नहीं लड़ा लेकिन 2018 में प्रदेश की सत्ता में कांग्रेस की वापसी के बाद वे एक बार फिर कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण हो गये। दिग्विजय सिंह ने पार्टी के महासचिव के रूप मेंही नहीं बल्कि राज्य सभा सदस्य के रूप में अपनी उपस्थिति से भाजपा को परेशान करके रखा।

वक्फ बोर्ड कानून के मुद्दे पर खुद को गद्दार बताने पर दिग्विजय सिंह ने भाजपाइयों को ही गद्दार कह दिया। उन्होंने दावा किया कि गद्दार तो वे भाजपा कार्यकर्ता हैं जिन्होंने आईएसआई एजेंट के रूप में काम किया है।दिग्विजय सिंह ने याद दिलाया कि आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने मध्य प्रदेश के विभिन्न स्थानों से 2017 में जासूसी गिरोह का हिस्सा होने के आरोप में 11 लोगों को गिरफ्तार किया था।दिग्विजय सिंह पहले भी आरएसएस को लेकर अदालतों का सामना कर चुके हैं। अदालतों ने दिग्विजय को बरी कर दिया ,लेकिन वे आज भी अपने सुर बदलने को तैयार नहीं हैं। दिग्विजय के जितने विरोधी भाजपा में हैं उतने ही कांग्रेस में भी हैं किन्तु वे ऐसे अकेले कांग्रेसी नेता हैं जो आरोपों-प्रत्यारोपों से विचलित नहीं होते उलटे उनका सामना करते है। पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री उमा भर्ती ने दिग्विजय सिंह को मिस्टर बंटाधार कहा लेकिन वे मुस्कराते रहे। कांग्रेस में उनके ही विरोधियों ने उन्हेंभाजपा का एजेंट कहा लेकिन वे पीछे नहीं हटे। आपको बता दें की वक्फ बोर्ड के नए कानून का विरोध करने वाले दिग्विजय सिंह अकेले नेता नहीं है लेकिन उनका विरोध भाजपा को सबसे ज्यादा खटकता है। इसी मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में वक्फ संशोधन कानून पर सुनवाई से पहले सात राज्यों की सरकारें सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई हैं. महाराष्ट्र, असम, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हरियाणा, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड की सरकारों ने आवेदन दाखिल कर नए कानून का समर्थन किया है. इन राज्यों ने कहा है कि नया कानून पारदर्शी, न्यायपूर्ण और व्यवहारिक है. कानून के खिलाफ दाखिल याचिकाओं का विरोध करते हुए इन सभी राज्यों ने अपना पक्ष भी सुने जाने की मांग कोर्ट से की है। इस नए कानून के विरोध में बंगाल सहित देश के अनेक राज्यों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं ,लेकिन निशाने पर दिग्विजय सिंह ही सबसे ज्यादा हैं। दिग्विजय सिंह की वजह से ही कांग्रेस 2018 में प्रदेश की सत्ता में वापस आयी थी और उन्हीं की वजह से 19 महीने बाद सत्ताच्युत भी हो गयी। ऐसा कहा और माना जाता है कि दिग्विजय सिंह की वजह से ही ज्योतिरादित्य सिंदिया ने कांग्रेस का तख्ता पलट किया और भाजपा से जा मिले। राज्य सभा की इकलौती सीट इसकी वजह थी ,लेकिन दिग्विजय सिंह को पार्टी की सरकार जाने का कोई अफसोस शायद नहीं है। वे आज भी ज्योतिरादित्य सिंधिया को निशाने पर रखते हैं। यानी दिग्विजय सिंह का स्वभाव खामोश रहने का नहीं है। इस समय भी कांग्रेस के अध्यक्ष भले ही जीतू पटवारी हैं लेकिन चर्चा में दिग्विजय सिंह ही हैं। दिग्विजय के हमउम्र पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ भी उस तीव्रता के साथ भाजपा और संघ से जड़ नहीं ले पाते जिअसे की दिग्विजय ले पाते हैं। अपने आपको गद्दार बताये जाने पर दिग्विजय संघ प्रतिप्रश्न करते हैं कि - पाकिस्तान से अलग-अलग खातों में धन जुटाना, वॉयस ओवर के जरिए पाकिस्तानियों से बात करना। आप उन्हें क्या कहेंगे? गद्दार? जय सिया राम ? दिग्विजय का समाना करने की हिम्मत कम ही भाजपाई जुटा पाते है। मप्र के एक मंत्री विश्वास सारंग ने जरूर कहा कि कांग्रेस नेता ने भगवा आतंकवाद शब्द गढ़ा था जो सनातन धर्म को बदनाम करता है।सारंग ने दिग्विजय सिंह के बारे में कहा,की उन्होंने [दिग्विजय सिंह] ने आतंकवादीअफजल को अफजल गुरु कहा, हाफिज सईद का महिमामंडन करने के लिए उसके लिए जी का इस्तेमाल किया, जाकिर नाइक जैसे विघटनकारी व्यक्तियों के सम्मान में मंच साझा किया, हमारी सेना और सैनिकों का अपमान करने के लिए बटला हाउस मुठभेड़, हवाई हमले और सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाए। वह हमेशा देश को तोड़ने के लिए बयान देते हैं। उन्होंने हमेशा बिना तथ्यों के आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि दिग्विजय सिंह को निशाना बनाने वाले पोस्टर जनता ने लगाए हैं, भाजपा ने नहीं।दिग्विजय सिंह भाजपा के लिए कब तक पोस्टर बॉय बने रहेंगे कहना कठिन है। लेकिन जब भी भाजपा के बनाये पोस्टर फटते हैं उनमें से दिग्विजय ही हीरो बनकर बाहर निकलते दिखाई देते हैं।

राकेश अचल
लेखक

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

संयम से जीवन की उन्नति

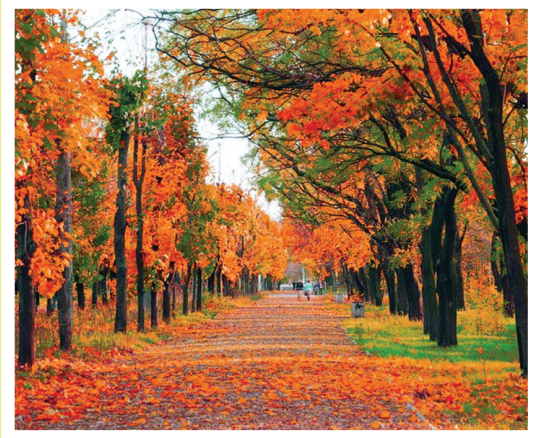

कार्तिय माहात्म्य प्रवचनों में पं. रामनिवास ब्रजवासी जी ने कहा शरद ऋतु में की जाने वाली उपासनाओं से जहाँ चंद्र किरणों से प्राप्त होने वाले अमृत तत्व से देह का सिंचन होता है, वहीं सूर्य की रश्मियों की प्रचुर ऊर्जा से उस अमृत तत्व की शरीर में स्थिरता होती है इसीलिए कार्तिक मास में प्रात ? पवित्र नदियों में स्नान कर भगवान विष्णु शालीग्राम स्वरूप की पूजा की जाती है।

इन दिनों ब्रजवासी जी कार्तिक माहात्म्य के माध्यम से श्रद्धालुओं को उपदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा भगवान विष्णु के सहस्रनाम का पाठ करने से मनुष्य के जीवन में संयम एवं धर्म में चलने की प्रेरणा मिलती है। जीवन को उन्नत बनाने में संयम का बहुत महत्व है। संयमी व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य को नहीं छोड़ता। शालिग्राम पूजन में पंचामृत का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा गाय का दूध, दही, घी व शहद और शक्कर से शालिग्राम भगवान का अभिषेक करना चाहिए। वस्तुतः इन पांचों का मंत्रोच्चारण के साथ मिल जाना ही पाँच प्रकार के अमृतों का मिलना है। इसमें तुलसीदल डाल देने के बाद यह चरणामृत बन जाता है जिसका प्रसाद में ग्रहण कर लेने पर सभी प्रकार की आधियाँ-व्याधियाँ अर्थात मानसिक रोग तथा शारीरिक रोग दूर हो जाते हैं। हमारी उपासना विधियाँ जहाँ मनुष्य को धार्मिक बनाती है वही शारीरिक-मानसिक रूप से स्वस्थ भी बनाती है।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

शेयर बाजार में हरे निशान पर क्लोजिंग

सेंसेक्स 309 अंक चढ़ा, निफ्टी 23450 के करीब पहुंचा

मुम्बई ■

बैंकिंग शेयरों में खरीदारी और विदेशी फंड के ताजा प्रवाह के कारण बुधवार को शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुए। खुदरा मुद्रास्फीति के छह साल के निचले स्तर पर पहुंचने से ब्याज दरों में और कटौती की उम्मीद बढ़ी है, इसका बाजार के मूड पर सकारात्मक असर पड़ा।

वैश्विक बाजार में कमजोर रुख को दरकिनार करते हुए 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स बुधवार को उतार-चढ़ाव भरे सत्र में 309.40 अंक या 0.40 प्रतिशत चढकर दो सप्ताह के उच्चतम स्तर 77,044.29 पर बंद हुआ। कमजोर शुरूआत के बाद, सत्र के दौरान सूचकांक कई बार हरे और लाल निशान के बीच झूलता दिखा। सेंसेक्स 566.46 अंकों की तेजी के साथ 77,110.23 के उच्चतम और 76,543.77 के निम्नतम स्तर तक पहुंचा। दूसरी ओर, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 108.65 अंक या 0.47 प्रतिशत बढकर 23,437.20 अंक पर पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार बाजार में महंगाई से जुड़े सकारात्मक आंकड़ों और सामान्य मानसून के पूवार्नुमान से भी निवेशकों के बीच खरीदारी की धारणा को बढ़ावा मिला। सेंसेक्स के शेयरों में इंडसइंड बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा 7.12 फीसदी की तेजी आई। बैंक ने बताया कि वैश्विक एजेंसी पीडब्ल्यूसी ने डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में अकाउंटिंग खामियों के कारण बैंक के नेटवर्थ पर 1,979 करोड़ रुपये का नकारात्मक प्रभाव पड? का आकलन किया है। वहीं, एक्सिस बैंक में 4.26 फीसदी की तेजी आई जबकि अदाणी पोर्ट्स में 1.81 फीसदी की तेजी आई। एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक और आईटीसी के शेयरों में तेजी आई। मारुति के शेयर सबसे ज्यादा 1.51 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुई। इंफोसिस, टाटा मोटर्स, लार्सन एंड टूब्रो, एनटीपीसी और बजाज फाइनेंस के शेयर भी नुकसान में रहे। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) ने कई दिनों की बिकवाली के बाद मंगलवार को 6,065.78 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे।

हॉनर 400 और हॉनर 400 प्रो लॉन्च करने की तैयारी

नई दिल्ली ■

हॉनर कंपनी जल्द ही स्मार्टफोन हॉनर 400 और हॉनर 400 प्रो लॉन्च करने की तैयारी में है। हाल ही में लीक हुए रेंडर्स से इन फोनों के डिजाइन और कुछ प्रमुख फीचर्स सामने आए हैं। हॉनर 400 के रेंडर्स से पता चलता है कि इसमें डुअल रियर कैमरा सेटअप होगा, जिसे एक सिंगल फ्रंट कैमरे के साथ जोड़ा गया है।

कैमरा आइलैंड का डिजाइन पहले के मुकाबले अधिक गोल किनारों वाला है और फ्लैश मॉड्यूल को भी अब सर्कुलर आकार में दिखाया गया है। फोन के फ्रंट में चारों ओर समान मोटाई वाले बेजेल्स नजर आते हैं, जिससे इसकी प्रीमियम फिनिश का अंदाजा लगाया जा सकता है। सबसे बड़ा बदलाव डिस्प्ले में देखने को मिल सकता है। हॉनर 400 प्रो में फ्लैट डिस्प्ले होने की उम्मीद है, जबकि पिछले मॉडल में कर्व्ड डिस्प्ले था। हालांकि यह सारी जानकारियां अनऑफिशियल स्रोतों से मिली हैं, इसलिए कंपनी की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार जरूरी है। इससे पहले लॉन्च हुआ हॉनर 400 लाइट दमदार स्पेसिफिकेशन्स के साथ आया था, जिसमें 120 एचझेड अमोलेड डिस्प्ले, मीडियाटेक डायमेंसिटी 7025 चिपसेट, 108एमपी कैमरा और 5230 एमएच बैटरी जैसे फीचर्स शामिल हैं। हॉनर 400 प्रो मॉडल की बात करें तो इसमें ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप है, जिसमें वर्टिकल फ्लैश मॉड्यूल भी शामिल है।

बीवायडी ने इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। बीवायडी कंपनी ने 2025 की पहली तिमाही में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री के मामले में नया रिकॉर्ड बनाया है। वैश्विक स्तर पर कंपनी ने मार्च में 377,420 वाहन बेचे, जिससे क्यू 1 2025 में कुल बिक्री 990,711 यूनिट्स तक पहुंच गई।

यह आंकड़ा क्यू 1 2024 के 624,398 यूनिट्स की तुलना में 58.7प्रतिशत अधिक है। मार्च में बेचे गए वाहनों में 371,419 पैसेंजर कारें शामिल थीं, जो फरवरी 2025 से 15प्रतिशत और पिछले साल की तुलना में 23.1प्रतिशत अधिक है। वहीं कंपनी का उत्पादन भी इसी अवधि में 395,091 यूनिट्स तक पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 33प्रतिशत अधिक है। बीवायडी ने अप्रैल 2022 में आईसीई यानी इंटरनल कम्बशन इंजन वाले वाहनों का उत्पादन बंद कर दिया था

मंडी में नए मूंग की आवक : 8111 रू.के भाव में हुआ व्यापार

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड), मुरली खंडेलवाल (व्यापार समीक्षक)। आज इन्दौर मण्डी में हरसूद से गर्मी के नए मूंग के 135 कट्टे की आवक फर्म जयेशकुमार राजेशकुमार के यहां हुई। जिसका मूहर्त व्यापार दलाल संजय खंडेलवाल के हस्ते सुरेन्द्र दाल मिल को 8111/- के भाव से हुआ। अगले हफ्ते आवक बढ़ जाएगी. मंडी में आज भाव इस प्रकार रहे।

इंदौर चना काँटा ६१००-५० डंकी चना ५१०० -५४०० , विशाल ५८००-५९०० मसूर ६१५० , महाराष्ट्र सफेद ६९०० महाराष्ट्र लाल ७०००-७२०० कर्नाटक ७१००-७२०० तुवर निमारी ६४०० - ६९०० मूंग बेस्ट ८०००-८१०० एवरेज ७०००-७५०० , उडद बेस्ट बोल्ड नया ८०००-८२०० , उड़द मीडियम ६०००-७५०० ,हल्का उरद ३०००-५००० , सरसो निमाड़ी(बारीक) ६५००- ६६०० , रायडा ५६००-५८०० सोयाबीन ४४००।

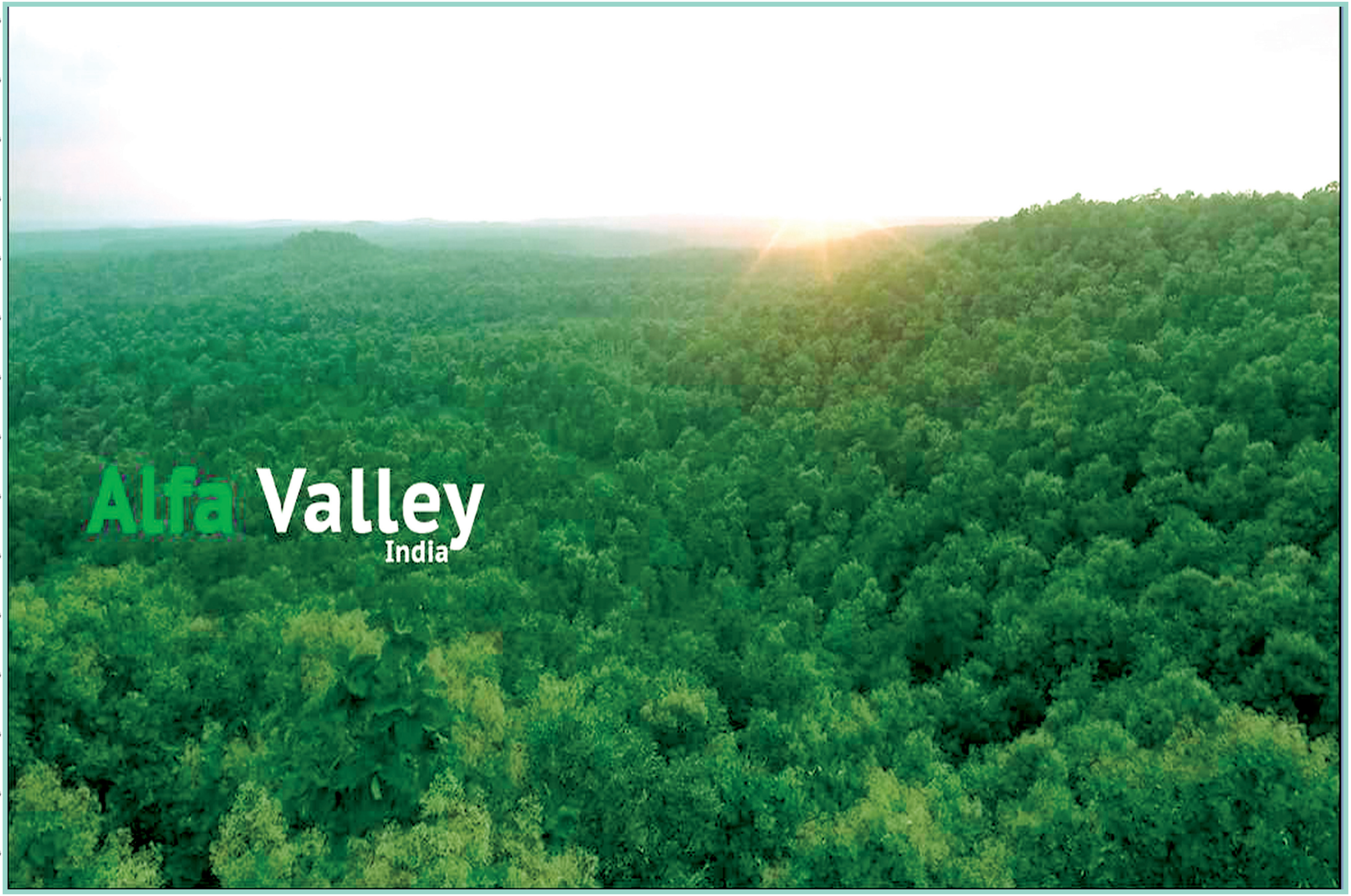

Alfa Valley
India

निशानेबाजी विश्व कप में 18 साल की सुरुचि ने मनु को हराकर जीता स्वर्ण, 1.3 अंक का रहा अंतर

लीमा (पेरू) ■ एजेंसी

युवा निशानेबाज सुरुचि इंदर सिंह ने पेरू के लीमा में जारी आईएसएसएफ विश्व कप में लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोना अपने नाम किया। वहीं, पेरिस ओलंपिक की पदक विजेता मनु भाकर ने रजत पदक जीता। दोनों ने इस प्रतियोगिता में भारत का दबदबा सुनिश्चित किया। इससे पहले स्टार निशानेबाज सौरभ चौधरी ने इसी प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था।

सुरुचि ने मनु भाकर को हराया

हरियाणा के झज्जर की रहने वाली 18 साल की सुरुचि ने हाल ही में ब्यूनस आयर्स में साल के पहले विश्व कप में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने लीमा विश्व कप में 24 शॉट के फाइनल में 243.6 का स्कोर बनाया और मनु को 1.3 अंक से हराकर स्वर्ण पर कब्जा जमाया। चीन की याओ कियानक्सुन ने कांस्य पदक जीता।

सौरभ ने जीता था कांस्य, सैन्यम 11वें स्थान पर रही थीं

सुरुचि और मनु के पोडियम पर पहुंचने का मतलब था कि भारत ने बुधवार को हर एक रंग का एक पदक जीत। सौरभ ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल प्रतियोगिता में कांस्य पदक अपने नाम किया था। लीम विश्व कप में फिलहाल भारत तीन पदकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गया है। उसके बाद चीन का नंबर आता है, जिसने पुरुषों की एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता था। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में 60 शॉट के क्वालिफिकेशन राउंड में सुरुचि ने 582 अंक बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया था, जबकि मनु भाकर ने 578 अंक बनाकर चौथे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। भारत की एक अन्य निशानेबाज सैन्यम 571 अंक के साथ 11वें स्थान पर रही।

सुरुचि और सौरभ का शानदार प्रदर्शन

इससे पहले सुरुचि ने हाल ही में ब्यूनस आयर्स में विश्व कप के दौरान सौरभ के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम कांस्य भी जीता था। तब सौरभ और सुरुचि ने हमवतन मनु भाकर और रविंदर सिंह को 16-8 से हराया था और कांस्य पदक जीता था। सुरुचि और सौरभ ने 581 स्कोर किया, जबकि मनु और रविंदर का स्कोर 579 रहा था।

मुम्बई और सनराइजर्स के बीच मुकाबला आज

मुंबई ■ एजेंसी

मुंबई इंडियंस की टीम गुरुवार को अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। मुम्बई को अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा जिससे उसका पलड़ा भारी नजर आता है। वानखेड़े स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के अनुकूल रही है, लेकिन गेंदबाज भी इससे मिलने वाली उछाल का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। मुम्बई को जीत के लिए सनराइजर्स के बल्लेबाजों को बड़े स्कोर बनाने से रोकना होगा।

टीम इस मैच में अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी पिछले मैच में बुमराह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये थे। बुमराह की गेंदों पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में काफी रन बने। ऐसे में सनराइजर्स के आक्रामक बल्लेबाज ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन उनपर बड़े शॉट लगाने का पूरा प्रयास करेंगे। मुंबई की परेशानी अपने स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा का फार्म में नहीं होना भी है। रोहित अभी तक पांच मैचों में एक बार भी बड़ा स्कोर नहीं बना पाये। वह अब तक केवल 56 रन बना पाए हैं। इससे मुंबई की टीम का प्रदर्शन भी खराब रहा है और वह अभी तक केवल दो मैच जीत जीत कर अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। मुंबई इंडियंस की की बल्लेबाजी अभी तक इस सत्र में सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा पर ही आधारित रही है पर अगर टीम को जीत दर्ज करनी है तो अन्य बल्लेबाजों को भी रन बनाने होंगे।

मनोरंजन

अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने जिंदगी की कुछ खास झलकियां की सांझा

हाल ही में सोशल मीडिया पर बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने अपनी जिंदगी की कुछ खास झलकियां साझा की, जो उनके प्रशंसकों के दिलों को छू गईं। इंस्टाग्राम पर मलाइका ने कुछ तस्वीरें पोस्ट करते हुए उन चीज़ों का ज़िक्र किया जो उनके दिल के बेहद करीब हैं। इन तस्वीरों में वह अपनी बहन अमृता अरोड़ा, मां जॉयस पॉलीकार्प और पालतू डॉगी कैस्पर के साथ नजर आईं। फैमिली के साथ बिताए इन खूबसूरत पलों में मलाइका की भावनात्मक जुड़ाव और सादगी भरी जिंदगी की झलक देखने को मिली। तस्वीरों में उनके फैशन सेंस के साथ-साथ उनकी पसंदीदा टोपी, हलवा-पूरी और काले चने की प्लेट, एक खूबसूरत गुलाब का गुलदस्ता और मार्विन गे के क्लासिक गाने गॉट टू गिव इट अप के प्रति उनका प्यार भी नजर आया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, ये मेरी कुछ पसंदीदा चीजें हैं। इस भावुक पोस्ट ने फैंस के साथ उनका एक आत्मीय रिश्ता जोड़ा और उनकी पर्सनल लाइफ की झलक को दिलचस्प बना दिया। इससे पहले मलाइका ने एक प्रेरणादायक पोस्ट शेयर करते हुए अपनी फिटनेस जर्नी को लेकर बात की थी। उन्होंने एक योग वर्कआउट वीडियो शेयर किया था जिसमें वह चटाई पर विभिन्न योग आसनों में नजर आईं। उन्होंने लिखा, आज की थकान, कल के लिए मजबूत प्रेरणा-एब्स और कोर वर्कआउट।

जलियांवाला कांड पर कैरोलिन डायर के बयान से भड़के अक्षय और करण

अपनी आगामी फिल्म केसरी: चैप्टर 2 को लेकर इन दिनों अभिनेता अक्षय कुमार और निर्माता करण जौहर सुर्खियों में है। यह फिल्म जलियांवाला बाग हत्याकांड और इसके बाद ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ लड़ी गई कानूनी लड़ाई पर आधारित है। इसी बीच जनरल डायर की परपोती कैरोलिन डायर का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने जलियांवाला बाग में मारे गए लोगों को उन्होंने लुटेरा कहा है। वीडियो में कैरोलिन, जो 1919 के जलियांवाला नरसंहार के लिए जिम्मेदार जनरल डायर की परपोती हैं, यह दावा करती नजर आ रही हैं कि उस दिन मारे गए लोग लुटेरे थे। यह वीडियो एक डॉक्यूमेंट्री का हिस्सा है जिसमें कैरोलिन एक पीड़ित परिवार के सदस्य से बातचीत करते हुए उसके पिता को भी लुटेरा कहती हैं। कैरोलिन के इस बयान ने फिल्म के निर्माता करण जौहर को झकझोर कर रख दिया। एक इंटरव्यू में करण ने गुस्से में कहा, जब मैंने वह वीडियो देखा, तो सिर्फ एक भारतीय के तौर पर नहीं, बल्कि एक इंसान के रूप में मेरा खून खौल गया। उन्होंने इतनी बड़ी त्रासदी को जिस हल्के और अपमानजनक लहजे में लिया है, वह बेहद शर्मनाक है। उन्हें ऐसा कहने की हिम्मत कैसे हुई? करण ने आगे कहा कि बैसाखी के दिन 13 अप्रैल 1919 को 1,600 से ज्यादा निर्दोष लोगों की हत्या हुई थी और उन्हें लुटेरा कहना इतिहास का अपमान है। फिल्म में सी. शंकरन नायर का किरदार निभा रहे अक्षय कुमार ने भी अपनी तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, किसी देश के ज़ख्म से दूसरों को सबक लेना चाहिए, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं सीखा।

लगान की शूटिंग को लेकर किए थे विशेष इंतजाम

हाल ही में फिल्म लगान में अर्जन का किरदार निभाने वाले अभिनेता अखिलेंद्र मिश्रा ने एक इंटरव्यू के दौरान उस दौर की कुछ खास यादें साझा कीं। अखिलेंद्र मिश्रा के मुताबिक, फिल्म के सेट पर खाना-पानी, हेल्थ और हाइजीन को लेकर जो इंतजाम किए गए थे, वो उस वक्त इंडस्ट्री के लिए काफी अनोखे थे। उन्होंने बताया कि फिल्म की शूटिंग गुजरात के भुज के आसपास के गांवों में हुई थी और वहां जो व्यवस्थाएं थीं, वो किसी इंटरनेशनल प्रोजेक्ट से कम नहीं थीं। उन्होंने कहा कि वहां हर तरह का खाना उपलब्ध था चाहे वह भारतीय खाना हो या कॉन्टिनेंटल। विदेशी आर्टिस्ट्स के लिए खास तौर पर कॉन्टिनेंटल फूड की व्यवस्था की गई थी, लेकिन वे भी भारतीय खाने को ज्यादा पसंद कर रहे थे। उनका कहना था कि विदेशी कलाकार भी आखिर में भारतीय सेक्शन में ही जाकर खाना खाते थे। सेट पर सबसे कड़े नियमों में से एक था कि कोई भी कलाकार या क्रू लोकल पानी नहीं पीएगा। सभी को मिनरल वॉटर यानी बिसलरी उपलब्ध कराई जाती थी। यहां तक कि कुछ लोग तो बिसलरी से हाथ-मुंह धोने के साथ-साथ बाल भी धोते थे। अखिलेंद्र ने मजाकिया लहजे में बताया कि दूसरे प्रोडक्शन हाउसेज़ में जहां मिनरल वॉटर बचाकर रखने की हिदायत होती थी, वहीं 'लगान' के सेट पर बिसलरी की कोई किल्लत नहीं थी। उन्होंने आमिर खान और उनकी तब की पत्नी रीना दत्ता की जमकर तारीफ की। उनके अनुसार आमिर खान नायक होते हुए भी ज़मीन पर बैठकर सभी के साथ खाना खाते थे और रीना दत्ता ने प्रोडक्शन को बेहद बारीकी और ईमानदारी से संभाला था। मिश्रा ने कहा कि उस समय यह साफ नजर आता था कि यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक जुनून था, एक मिशन था, जिसे पूरी टीम ने मिलकर पूरा किया।

करुण की पत्नी सनाया भी सोशल मीडिया पर है काफी सक्रिय

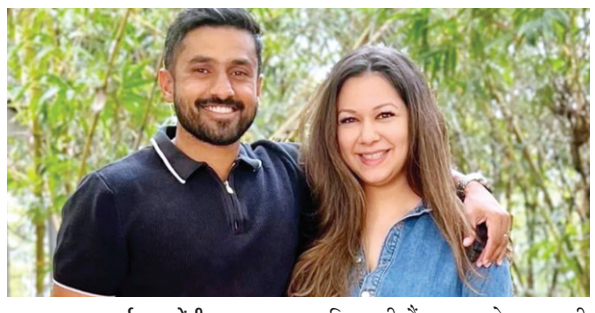

मुम्बई ■ एजेंसी

आईपीएल के इस सत्र में करुण नायर ने तीन साल बाद वापसी करते हुए पहले ही मैच में इम्पेक्ट प्लेयर के तौर पर धमाकेदार पारी खेलकर सबको हैरान कर दिया। करुण को इस सत्र में दिल्ली कैपिल्स ने शामिल किया था। करुण ने अपने पहले ही मैच में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 40 गेंदों पर ही 89 रन बनाये।

इस मैच के दौरान सोशल मीडिया पर करुण नायर की पत्नी सनाया भी जमकर ट्रेंड हुई। सनाया और करुण ने प्रेम विवाह किया था। वह सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय रही हैं। सनाया ने करुण की आईपीएल में वापसी के जश्न की तस्वीरें भी सोशल मीडिया में जारी की थी। सनाया एक मीडिया पेशेवर और खेल और मनोरंजन सलाहकार हैं। इस जोड़े ने जून 2019 में गोवा में सगाई की और जनवरी 2020 में उदयपुर में शादी की, जिसमें पारसी और मलयाली दोनों परंपराओं को दर्शाया गया है। उनके मित्रों और परिवारों के अलावा, नायर के सहकर्मी और टीम के साथी खिलाड़ी अजिंक्य रहाणे, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, वरुण एरॉन और श्रेयस अय्यर उनके विवाह समारोह में शामिल हुए थे।

सुदिरमन कप में सिंधू-सेन करेंगे चुनौती की अगुआई, गायत्री-त्रिसा की जोड़ी हटी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

गायत्री गोपीचंद और त्रिसा की जोड़ी चोट के कारण चीन के जियामेन में होने वाले सुदिरमन कप में हिस्सा नहीं लेगी। महिला एकल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और पुरुष एकल में लक्ष्य सेन 27 अप्रैल से चार मई तक होने वाली प्रतियोगिता में भारतीय नेतृत्व की अगुआई करेंगे।

शीर्ष 10 रैंकिंग में शामिल त्रिसा और गायत्री कंधे की चोट से उबर रही हैं। पिछले साल इस जोड़ी ने 22 टूर्नामेंटों में हिस्सा लिया था जबकि इस साल वह पांच टूर्नामेंट खेल चुकी हैं। जोड़ी ने पिछले साल सैयद मोदी टूर्नामेंट जीता था और इसके अलावा दिसंबर में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के सेमीफाइनल में पहुंची थी। उनकी अनुपस्थिति में प्रिया कोंजेंगबाम और श्रुति मिश्रा महिला युगल में उतरेंगी। उनका नाम 14 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। भारत को ग्रुप डी में पूर्व चैंपियन इंडोनेशिया, दो बार के उपविजेता डेनमार्क और इंग्लैंड के साथ रखा गया है। पुरुष युगल में सात्विक साईराज रैंकिरेड्डी और चिराग शेट्टी भी चोट से फिट होकर वापसी कर रहे हैं। चिराग में मार्च में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के दूसरे दौर में चोट लगी थी। सेन के अलावा पुरुष एकल में एच एस प्रणय होंगे। महिला एकल में सिंधू के अलावा दुनिया की 45वें नंबर की अनुपमा उपाध्याय भी होंगी। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रेस्टो की जोड़ी होगी।

कांबली की सहायता के लिए आगे आये गावसकर

मुम्बई। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर विनोद कांबली की सहायता के लिए सामने आये हैं। गावस्कर ने इससे पहले एक समारोह में वादा किया था कि वह आर्थिक तंगी से जूझ रहे कांबली की सहायता करेंगे। जिसे अब वह पूरा करने जा रहे है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार गावस्कर अपने चैम्स फाउंडेशन के जरिए कांबली की मदद के लिए आगे आए हैं। यह संगठन उन पूर्व अंतरराष्ट्रीय खेल हस्तियों की मदद करता है, जिन्हें वित्तीय सहायता की जरूरत होती है। इससे अब हर माह कांबली को 30,000 रुपये की सहायता मिलेगी। इसके अलावा उन्हें सालाना 30,000 रुपये की चिकित्सा सहायता भी मिलेगी। गावस्कर ने कहा था कि वह और 1983 विश्व कप विजेता टीम युवा खिलाड़ियों को लेकर बहुत सजग हैं, जिनमें से कुछ उनके बेटे और पोते जैसे हैं। इसके बाद उन्होंने वादा किया कि वे कांबली का ख्याल रखना चाहते हैं और उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होने में सहायता करना चाहते हैं।

बीसीसीआई ने बांग्लादेश दौरे के लिए घोषित किया कार्यक्रम

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आगामी बांग्लादेश दौरे के लिए कार्यक्रम घोषित कर दिया है। बोर्ड के अनुसार भारतीय टीम बांग्लादेश दौरे पर 3 एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैच खेलेगी। ये मुकाबले मीरपुर और चटगांव में खेले जाएंगे। भारतीय टीम पहली बार बांग्लादेश की धरती पर टी20 सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे से लौटने के बाद बांग्लादेश का दौरा करेगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के मुख्य कार्यकारी निजाम उद्दीन चौधरी ने कहा, 'यह सीरीज हमारे घरेलू कैलेंडर की सबसे रोमांचक और बहुप्रतीक्षित सीरीज में से एक होगी। भारतीय टीम ने सभी प्रारुपों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष मानक स्थापित किए हैं और दोनों देशों के क्रिकेट प्रेमी इस मुकाबले से उत्साहित रहेंगे।' इससे पहले भारत और बांग्लादेश के बीच अंतिम बार द्विपक्षीय सीरीज सितंबर और अक्टूबर 2024 में भारत में खेली गयी थी। तब भारतीय टीम ने टेस्ट सीरीज और टी20 दोनो में ही सभी मुकाबले जीते थे।

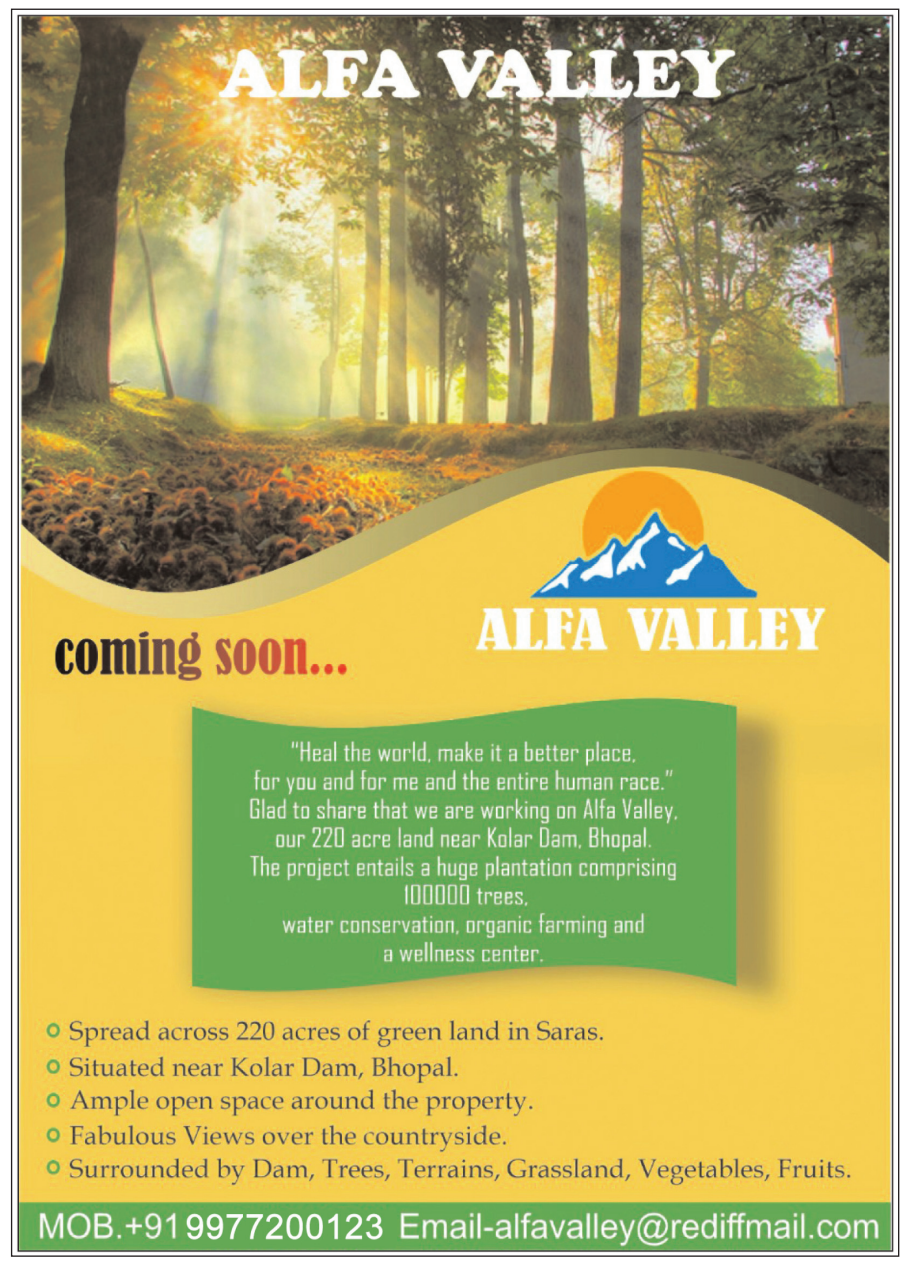

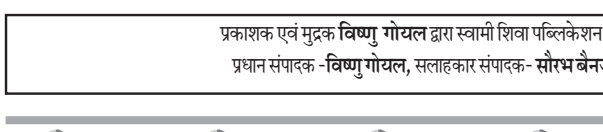

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news

प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल**, सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन** *(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com